✻✻ आवश्यकता है ✻✻

शुभम साख सहकारी संस्था मर्या. में

मैनेजर - 1 पद
मार्केटिंग ऑफिसर - 1 पद
वसूली सहायक - 2 पद
एजेन्ट - 10 (मंदसौर, पिपलिया, मल्हारगढ़, नारायणगढ़, दलौदा, सीतामऊ)

(सैलरी+कमीशन)

(वेतन योग्यतानुसार, अनुभवी को प्राथमिकता)

साथ में लाए - एक फोटो और रिज्यूम

✻✻✻✻ संपर्क करें ✻✻✻✻

9/1, पाटिल कालोनी, गीता भवन रोड, भावसार नमकीन के सामने, मंदसौर, मो. नं.-9907405018, 9826095102

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 70 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 19 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर

श्री सिद्धि विनायक

अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध

हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम

हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता

MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Intervational Cardiology

परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक

12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

क्या 'जगह मिलने पर ही साइड दी जाएगी' वाला मामला दोहराया जाएगा मंत्रिमंडल में..?

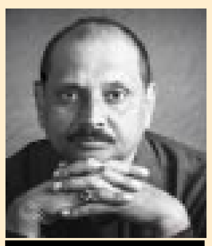

प्रकाश भटनागर

मध्यप्रदेश के नए मंत्रिमंडल को लेकर इस बार नए अंदाज में कयास लगाए जाना स्वाभाविक है। भाजपा ने इस विधानसभा चुनाव में अलग ही अंदाज दिखाए हैं। प्रत्याशियों से लेकर मुख्यमंत्री तक के चयन में जो-कुछ हुआ, वह कई मायनों में अतीत के अनुभवों से एकदम उलट था। इसलिए अब यह उम्मीद बेमानी नहीं लगती कि डॉ. मोहन यादव के मंत्रिमंडल में 'जगह मिलने पर ही साइड दी जाएगी' वाली स्थिति नहीं बनेगी। यानी शायद ऐसा न हो कि भारी-भरकम चेहरों के आगे एक बार फिर कई विधायक पात्र होने के बाद भी मंत्रिमंडल में स्थान न बना सकें।

यहां भारी-भरकम से आशय उन लोगों से है, जो केवल अपनी वरिष्ठता के चलते वर्ष 2003 से लेकर अब तक की भाजपा सरकार में हर समय मंत्री बने रहे और अब सरकार सहित पार्टी के लिए भी वे बोझ बन गए हैं। उन्होंने भाजपा में स्थापित होने के बाद से अपने लिए शुभ-लाभ के सभी तगड़े बंदोबस्त कर लिए, लेकिन बदले में पार्टी के लिए अपनी कोई बड़ी उपयोगिता सिद्ध करने का उन्होंने प्रयास तक नहीं किया। अब समय आ गया है कि डॉ. मोहन यादव की सूरत में नए समर्पित लोगों को स्थान देने की अपनी वचनबद्धता को फिर से स्थापित करने वाली भाजपा मंत्रिमंडल के लिए भी यही मापदंड स्थापित करे।

इस सारी विचार प्रक्रिया में यह सोचना तो बनता ही है कि यह चुनाव जीतने वाले केंद्रीय स्तर के दिग्गज नेता कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल क्या राज्य मंत्रिमंडल का चेहरा बनेंगे? चुनाव तो शिवराज सिंह चौहान ने भी जीता है। लेकिन, उनको लेकर यह कयास इसलिए नहीं लगाया जा सकता कि वे खुद डेढ़ दशक से ज्यादा पार्टी की सरकार का नेतृत्व कर चुके हैं। और फिर पार्टी पहले ही चौहान को उनके कद के अनुकूल नई जिम्मेदारी देने की बात कह चुकी है।

भाजपा ने मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के चयन के रूप में पीढ़ी परिवर्तन वाले नए प्रयोग का आरंभ किया है। यादव को यकायक बड़ा जिम्मा मिला है और इसमें कुछ सरलता तथा सहजता के लिहाज से ही दो अनुभवी चेहरों जगदीश देवड़ा तथा राजेंद्र शुक्ल को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। अब देखने वाली बात यही होगी कि यही पीढ़ी परिवर्तन शेष मंत्रिमंडल पर लागू हो सकेगा या नहीं। यदि डॉ. यादव के रूप में पार्टी ने यह संदेश दिया है कि उसके लिए संगठन के प्रति निष्ठा और जातिगत राजनीति के लाभ शुभ के साथ काम की क्षमता का सर्वाधिक महत्व है, तो फिर उसे मंत्रियों के चयन में भी यही दिखाना होगा कि पार्टी में अब 'तुम मुझे सब-कुछ दो, मैं तुम्हें कुछ भी नहीं दूंगा' वाले लोगों के दिन लद चुके हैं।

पहाड़ी इलाकों से सड़क निकालने के लिए चट्टानों को बारूद लगाकर खत्म किया जाता है। भाजपा के सामने फिलहाल आगामी लोकसभा चुनाव की पहाड़ जैसी चुनौती है और उससे सुरक्षित निर्गम की खातिर उसने मध्यप्रदेश सहित राजस्थान और छत्तीसगढ़ में काफी हद तक परिवर्तन की बारूद बिछाकर कई लोगों के दिल दिल दहला देने वाले धमाकों को अंजाम दे दिया है। अब देखना यही होगा कि मध्यप्रदेश में तैयार किए गए इस नए मार्ग पर 'जगह मिलने पर ही साइड दी जाएगी' वाले हालात से अलग परिदृश्य दिखेगा या नहीं। इसके लिए बस जरा-सा इंतजार और कीजिए। राज्यपाल अपने प्रस्तावित अवकाश के बीच से ही भोपाल लौट आए हैं। हो सकता है मंगलवार को ही नए मंत्रियों का शपथ समारोह हो जाए, बहुत हुआ तो मंत्रिमंडल का मामला विधानसभा के सत्र की समाप्ति तक खिंचेगा। इन्तजार की इन घड़ियों के बीच उन सभी के लिए अग्रिम गहन संवेदनाएं, जो पीढ़ी परिवर्तन वाली इस प्रक्रिया के चलते उस परिवर्तित मार्ग पर भेज दिए जाएंगे, जो मंत्री निवास की बजाय उनके निजी ठिकाने की तरफ जा सकता है।

सहकारी बाजार का गेहूं कांड...

राजेन्द्रसिंह गौतम सहित 11 को सजा

महिलाओं को चार साल, पुरुषों को पांच साल की जैल, सभी को भरना होगा 4.51 लाख रुपए जुर्माना

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम श्री किशोर कुमार गेहलोत की अदालत ने मंदसौर के सबसे बड़े घोटाले गेहूंकांड में फैसला सुनाया है। जिसमें तत्कालीन जिला सहकारी थोक उपभोक्ता भंडार के अध्यक्ष राजेंद्रसिंह गौतम सहित 11 आरोपियों को सजा सुनाई है। इसमें शामिल महिलाओं को चार साल और पुरुषों को पांच साल की सजा सुनाई गई है। साथ ही सभी को 4 लाख 51 हजार रूपये जुर्माना भरना होगा। प्रकरण में अभियोजन का संचालन जिला अभियोजन अधिकारी निर्मला सिंह चौधरी द्वारा किया गया।

इनको हुई सजा...

राजेन्द्र सिंह गौतम पिता शंकरसिंह गौतम उम्र 68साल नि. हाउसिंग कालोनी मंदसौर तत्कालीन अध्यक्ष जिला सहकारी थोक उपभोक्ता भण्डार, मेहमूद पिता इब्राहिम मंसूरी उम्र 66साल नि.चौधरी कालोनी मंदसौर तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी थोक उपभोक्ता भण्डार, रामचन्द्र दरक पिता शांतिसागर उम्र 65साल नि. नईआबादी मंदसौर लिपिक, नजमा पति लियाकत हुसैन उम्र 52साल नि. इंद्रा कालोनी मंदसौर, शीला देवी पति रविन्द्र शर्मा उम्र 62साल नि. जनता कालोनी मंदसौर, रमादेवी पति महेन्द्रसिंह राठौर उम्र 50साल नि. चंदरपुरा मंदसौर राखी पति धर्मेन्द्रसिंह राठौड उम्र 48साल नि. चंदरपुरा मंदसौर, मालती देवी पति गोपाल सोनी उम्र 64साल नि. जीवागंज मंदसौर, योगेश देवी पति राजेन्द्रसिंह गौतम उम्र 66साल नि. हाउसिंग कालोनी मंदसौर, हेमा पति हेमंत कुमार हिंगड उम्र 57साल नि. जनकुपुरा मंदसौर, हेमंत पिता मिश्रीलाल हिंगड उम्र 60साल नि. जनकुपुरा मंदसौर को न्यायालय ने सजा सुनाई है।

87 करोड़ से ज्यादा की अनियमितता...

विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा पाया गया कि आरोपियो द्वारा जिला सहकारी थोक उपभोक्ता भण्डार शांतनु कैंपस मंदसौर में अभियुक्त राजेन्द्र सिंह गौतम अध्यक्ष के पद पर, अभियुक्त श्रीमती योगेश देवी उपाध्यक्ष के पद पर शेष अभियुक्तगण हेमंत, श्रीमती हेमा, रमादेवी, राखीसिंह, मालतीदेवी, शीला देवी, नजमा संचालक मंडल की सदस्य पद पर, अभियुक्त महमूद मंसूरी मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर, अभियुक्त रामचंद दरक लिपिक के पद पर रहते हुए सह अभियुक्त के साथ मिलकर षड़यंत्रपूर्वक जिला सहकारी थोक उपभोक्ता भण्डार को प्राप्त गेंहू जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों को खाद्य सामग्री गेंहू, कैरोसिन आदि गरीब लोगों को वितरित न करते हुए उक्त गेंहू को खुले बाजार में मर्चेन्ट जेठानंद सिंधी को बेच दिया। भारतीय खाद्य निगम का मार्का लगी बोरियों को पलटकर उन पर वीआईपी एवं अन्य मार्का लगाकर खुले बाजार में विक्रय किया। इस प्रकार सभी आरोपियो ने मिलकर षड़यंत्रपूर्वक 87 करोड़ 83 लाख 92 हजार 28 रूपये की आर्थिक अनियमितता कर उक्त संपत्ति को बेईमानी से दुरुपयोग कर उक्त गेंहू को खुले बाजार में विक्रय कर 35 लाख 83 हजार 596 रूपये की राशि का गबन किया एवं अपने लोकसेवक के पद पर रहते हुए अपने पद का दुरूपयोग कर, भ्रष्टाचार कर शासन को करोडों रूपये की आर्थिक हानि पंहुचाई।

सनसनीखेज था मामला...

मामले की विवेचना के दौरान जिला सहकारी थोक उपभोक्ता भंडार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहमूद मंसूरी के घर पर पुलिस ने दबिश दी थी। तब लाखो रूपए नगद सहित ज्वेलरी मिली थी। उस समय मौके पर इनकम टेक्स अधिकारियो को भी बुलाया गया था। एक मुश्त लाखो रूपए मिलने पर नोट गिनने के लिए मशीने बुलाई गई थी। इस दौरान जिला पंचायत व जिला कांग्रेस के अध्यक्ष राजेन्द्रसिंह गौतम भी भूमिगत हो गए थे। जो बाद में अग्रीम जमानत मिलने पर प्रकट हुए थे।

यह है मामला...

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा बताया गया मामला इस प्रकार है कि 24 जुलाई 2002 को तत्कालीन थाना प्रभारी अनिल सिंह राठौर को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि सहकारी बाजार मंदसौर का कर्मचारी रामचंद्र दरक सिविल आपूर्ति निगम से शासकीय गेंहू ट्रक नं. एमपी 14-3396 को लेकर शांतनु कॉम्पलेक्स में वीरेन्द्र जैन के क्लीनिंग मिल में जेठानंद सिंधी को बेचकर शासकीय गेंहू 50-50 किलो के कट्टे में वीआईपी ब्रांड लगाकर अवैध लाभ कमा रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पंहुचकर आरोपी जेठानंद सिंधी, विरेन्द्र जैन, मुश्ताक को पकडा और गेंहू से भरे ट्रक को जप्त किया और आरोपी के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

यह कैसी कार्रवाई...!

घोड़ीदाना खेल रहे 15 लोगों से पुलिस को मिले 6 हजार रुपए

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। घोड़ीदाना के जुए की फड़ में लाखों रुपए के दाव लगते है। मगर आश्चर्य पुलिस ने 15 लोगो को घोड़ीदाना के दाव लगाते पकड़ा। लेकिन, उनसे मिले केवल 6200 रूपए। मजे की बात यह है कि इस कार्रवाई में न किसी के पास से मोबाईल जब्त किया और न ही बाइक या कार मिली।

नारायणगढ़ पुलिस ने मुखबीर सूचना मिलने पर किशनगढ़ में पप्पू बावरी के बाड़े में दबिश दी। यहां से छगन पिता विरमलाल, एजाज पिता अहमद खां, महेश पिता भंवरसिंह सेंगर, धर्मेद्र पिता रामनारायण चौधरी, देवीलाल पिता बगदीराम कलाल, दीपक पिता नागुलाल सभी निवासी झार्डा, पप्पू पिता केशरसिंह, चरणसिंह पिता देवीलाल बागरी, लालाराम पिताराधेश्याम माली सभी निवासी किशनगढ, श्यामसिंह पिता रतनसिंह निवासी गुलाबखेड़ी, लालाराम पिता रामलाल, पुष्कर पिता गेंदमल बावरी निवासी हरमाला, बंशीलाल पिता किशनलाल निवासी फतेहपुर और शालिगराम पिता अमरा मेघवाल निवासी बोरखेडी इंदौर को पकड़ा गया है।

शहर पुलिस ने 6 जुआरियों से जप्त किए 6 हजार...

शहर कोतवाली पुलिस ने पशुपतिनाथ मेला परिसर में कार्रवाई की। जिसमें 6 आरोपियों से 5 हजार 990 रुपए जब्त किए। पुलिस ने बताया कि यहां से मुकेश सिंह पिता ओगटराम निवासी बिल्लाउ राजस्थान, गोपालसिंह पिता होशियारसिंह निवासी दक्षिण दिल्ली, रवि गौतम पिता श्री वीरकुमार लक्ष्मी नगर मथुरा, ताराचंद पिता जोतसिंह निवासी फिरोजाबाद, सलीम पिता अब्दुल अजीज निवासी मथुरा, पंकज पिता छोटेलाल निवासी मथुरा को जुआ खेलते हुए पकड़ा है। आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

वायरल कर रहा परेशान, ठीक होने में लग रहा ज्यादा समय

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दवा लेने के बाद भी खांसी या बुखार ठीक नहीं हो रहा है तो इसे नजर अंदाज नहीं करें। क्योंकि, इन दिनों अस्पतालों में वायरल फीवर के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। आमतौर पर 2-3 दिनों में वायरल ठीक हो जाता है। लेकिन, अब इसे ठीक होने में सप्ताह भर से अधिक का समय लग रहा है। डॉक्टरो की मानें तो अगर आपको खांसी हो रही है और रुक नहीं रही, सांस फूलना भी बढ़ रहा है तो तुरंत ही डॉक्टर को दिखाएं। यह अपर रेस्पिरेटरी की बजाय निमोनिया भी हो सकता है। जिला मुख्यालय के बड़े अस्पताल सहित निजी अस्पतालो मे रोजाना सैकड़ो मरीज में पहुंच रहे हैं।

यह है वायरल लक्षण...

वायरल बुखार आमतौर पर साधारण बुखार की तरह ही होता है। डॉक्टरो के अनुसार शरीर में तेज दर्द, गले में खराश और दर्द, त्वचा पर हल्के धब्बे पड़ना, मांसपेशियों और जोड़ो में दर्द, कमजोरी महसूस होना, सिर दर्द होने के साथ तेज बुखार, खांसी की शिकायत सहित अन्य लक्षण वायरल बुखार से जुड़े हैं।

यह रखना चाहिए सावधानी...

डॉक्टरों के मुताबिक दिसंबर, जनवरी और फरवरी माह में मौसम बदलता है। इसके साथ कुछ संक्रमित रोगों का प्रभाव बढ़ जाता है। इसमें खांसी, जुकाम और हल्का बुखार होना शामिल है। बीमारियों की रोकथाम के लिए सावधानियां बरतना जरूरी है, इसके लिए खास तौर पर यह ध्यान रखें कि ठीक से हाथ धोएं। घर में किसी भी व्यक्ति को खांसी सर्दी और जुकाम है वह व्यक्ति और अधिक बार धोए, ताकि संक्रमण को रोका जा सके।

पहले लिव इन में साथ रहे, फिर शादी की

अपने परिवारवालों से नहीं मिलाया, ससुराल पहुंची युवती के साथ की मारपीट

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पहले लिव इन में साथ रहे, फिर शादी कर ली। लेकिन अपने पत्नी को कभी घर वालो से नहीं मिलाया। जब पत्नी ने जोर दिया तो उसे छोड़ कर युवक मंदसौर आ गया। जब पत्नी मंदसौर आई तो उसे पति और जेठ ने मारपीट कर भगा दिया। युवती वायडी नगर थाने पहुंची, जहां से उसे बड़े अस्पताल मेडिकल के लिए भेजा। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की थी।

मिली जानकारी के अनुसार कोलकाता निवासी डोना इंदौर रहती थी। इंदौर में मंदसौर के युवक नितिन मौर्य से परिचय हुआ और दोस्ती हो गई। दोस्ती प्रगाढ़ हुई तो दोनो लिव इन में रहने लगे। दोनो का जीवन सही से चल रहा था फिर डोना प्रेगनेंट हो गई। प्रेगनेंट होने के बाद नितिन ने डोना से अपने मित्रो को मौजूदगी में शादी कर ली। शादी के बाद जीवन अच्छे से चला। लेकिन, जैसे ही डोना का गर्भ 4 माह का हुआ तो नितिन ने डोना का अबॉर्शन करवा दिया। जिसका समस्त रिकार्ड डोना के पास उपलब्ध है। इस कार्य के लिए डोना सहमत नही थी। लेकिन, नितिन ने हॉस्पिटल ले जाकर गर्भ गिरा दिया और भ्रूण को दफना दिया।

उसके बाद से डोना नितिन को कहने लगी की मुझे अपने ससुराल ले चलो। लेकिन, नितिन कहता की अभी परिवार में शादी है, यह निपट जाए फिर में घर पर अपने बारे में बता दूंगा। लेकिन, वह बहुत समय से डोना को चक्कर दे रहा था। इस मामले में 6 माह पहले भी डोना ने इंदौर व मुंबई में नितिन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा रखी है। और मंदसौर में महिला थाने पर भी आवेदन दिया हुआ था, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। सोमवार को डोना जब अपने ससुराल संजीत नाका स्थित नितिन मौर्य के घर पहुंची और उसकी सास से बात की। तभी नितिन और उसके भाई ने डोना के साथ मारपीट की ओर अपशब्द कहे। मारपीट के बाद डोना वायडी नगर थाने पर पहुंची और संबंधित के खिलाफ कार्यवाही करने का कहा और अपने साथ हुए घटनाक्रम के बारे में बताया। डोना का रो-रो कर बुरा हाल है। फिलहाल वायडी नगर पुलिस ने महिला डोना का बड़े अस्पताल में मेडिकल करवाया था।

बढ़ी ठिठुरन:तापमान 10 डिग्री पहुंचा

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाओं के कारण ठिठुरन बढ़ गई है। सोमवार को सुबह हल्के कोहरे के साथ कड़ाके की ठंड रही। जम्मू कश्मीर के उपर वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने से तापमान में 2 डिग्री तक कि गिरावट आई है। अंचल में अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले 4 दिन तक ठंड का असर बना रहेगा। अगले 48 घंटे में तापमान में और गिरावट आएगी।

मौसम जानकारों के अनुसार जम्मू कश्मीर, लद्दाख के पास वेस्टर्न डिस्टर्बेस मौजूद होने और राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बने चक्रवाती हवा के घेरे का असर होने से शनिवार को मौसम बदला है। इस घेरे के कारण अरब सागर से नमी आई तो मौसम में हुए बदलाव के कारण दिन में फिर ठंडक बढ़ गई। अगले तीन से चार दिन तक रात में भी ठंड रहेगी। जबकि, दिन में ठंडी हवा चलेगी। 22-23 दिसंबर को वेस्टर्न डिस्टर्बेस की वजह से प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की बारिश भी होने का अनुमान है।

कांग्रेस ने फिर कौने में पड़ी कुल्हाड़ी पर पांव दे मारा...

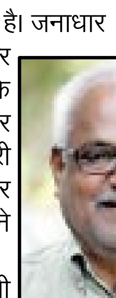

चन्द्रमोहन भगत

मंदसौर/उज्जैन, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधान सभा चुनाव मे करारी हार के बाद कांग्रेस आला कमान को पता चला कि प्रदेश में जिन बूढ़े नेताओं को कमान दे रखी थी, उन्हीं की मेहनत के कारण कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ रहा है। ऐसा सोचने के लिए भी कांग्रेस आलाकमान को नया दिमाग उपयोग में लाना पड़ा होगा और सच देखने के लिए नया चश्मा लगाया होगा! वरन उन्हें तो दिग्विजय सिंह और कमलनाथ दो अनमोल रतन ही नजर आते थे। जिस चश्मे से दोनों अनमोल रत्न को पहचान करने की क्षमता आई थी, उसमें खरोच भी आ गई है। क्योंकि, नए अध्यक्ष के लिए भी आलाकमान को जीतू पटवारी जैसा मुगालते बाज बड़बोला नेता ही मिला! अधिकांश कांग्रेसी इस नाम के चयन पर आलाकमान की सोच के बारे में सोच कर मन मसोस रहे हैं कि ऐसे जीतू को अध्यक्ष मानना पड़ेगा, जिसके कैमरे में ज्यादा कार्यकर्ता आ जाएं तो धक्का देता है, उन पर लात चलाता है। जनाधार कितना है हार के आंकड़े और इनकी ही पिछली जीत के आंकड़े बता रहे हैं। पर मुगालता इतना बड़ा की पूरी भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी इन्हें हराने में ताकत लगाए हुए थे।

एक समय इंदिरा गांधी की जीप चलाकर कमलनाथ नेता बने थे और अब राहुल गांधी की को मोटर साइकिल पर बैठा कर जीतू पटवारी कांग्रेस के भावी नेता बनने जा रहे हैं। ऐसी ही योग्यताएं वर्तमान कांग्रेस आलाकमान राहुल, सोनिया और खड़गे को पसंद आ रही है। विधानसभा चुनाव हारने के बाद ऐसा लगा था कि कांग्रेस आला कमान प्रदेश संगठन में आमूल चूल परिवर्तन कर देगा। करा तो ऐसा की साथियों से ही भावी मुख्यमंत्री जैसा आदर पाने की इच्छा रखने वाले नेता को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया।

अपनी खास उपलब्धियां भी जन आक्रोश यात्रा में गिनाई की जिनको मैने टिकट दिलाए, विधायक बनाया वे सिंधिया के साथ भाजपा में चले गए, ऐसे संगठक के हवाले अब प्रदेश कांग्रेस कर दी गई है। ऐसे में अनुमान लगाया जा सकता है कि जीतू पटवारी मध्य प्रदेश में किस तरह की कांग्रेस को स्थापित करेंगे। ये वही जीतू पटवारी है जो तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीच में घुसकर अपना ज्ञान परोसने लगते थे। तब मुख्यमंत्री को इन्हें झिड़कने के बाद ही चुप रह पाते थे। बड़बोलेपन के इतने आदी हैं कि जैसे कांग्रेस की बैलगाड़ी इन्हीं के भरोसे चल रही है। कांग्रेस का ये नया दृश्य समझ से परे है कि जीतू पटवारी आज अपने भाग्य के कारण प्रदेश अध्यक्ष बने हैं या कांग्रेस के दुर्भाग्य के कारण! इतनी बड़ी हारों के बाद भी कांग्रेस आला कमान कार्यकर्ताओं के चाल चरित्र के बजाय चाटुकारिता को ही प्राथमिकता से सहेज रहा है।

जबकि भाजपा ने हाल ही में स्पर्धा करते हुए तीन राज्यों में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में एकदम नए चेहरे वाले समर्पित कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री बनाया है। भाजपा के इस भविष्य के लिए शक्तिशाली परिवर्तन को नजरअंदाज कर कांग्रेस का घिसे पिटे नेताओं को जिम्मेदारी सोंपना यह दर्शाता है कि कांग्रेस बीजेपी से संघर्ष करने की बजाए यह उम्मीद कर रही है कि जनमत जब भाजपा सरकारों से नाराज होगा तब अपने आप कांग्रेस का साथ देगा? राजनीति में कल्पना साकार होती है, ऐसा हो भी सकता है। किन्तु, कांग्रेस का प्रतिनिधि जनप्रिय तो हो, आलाकमान का प्रिय होने से तो बात नहीं बनने वाली है। कमलनाथ उद्योगपति अध्यक्ष थे, दिग्विजय सिंह राजघराने के है। जब इन पर टिकट बंटवारे के लिए आरोप लग रहे हैं तब जीतू पटवारी जो खुद कहते हैं कि उनके टिकट दिलाए पट्ठे भाजपा में चले गए, अब क्या प्रदेश भर में ऐसे ही पट्ठे तैयार करेंगे? जिसे अपना समर्थक परखने की पहचान या अनुभव नहीं है उसे प्रदेश की कमान देकर कांग्रेस आलाकमान किस तरह के भविष्य की कल्पना कर रहा है, यह समझ से परे है। वैसे देश के बहुत सारे चैनल, विशेषज्ञों और राजनीतिक स्तंभकार अब राहुल गांधी को परिपक्व राजनेता का अवतार बता रहे हैं। कांग्रेस को फर्श से अर्श पर ले जाने का दावा कर रहे हैं। ऐसे में अपनी जमानत जप्त करवाने वाले रणदीप सुरजेवाला को महामंत्री बनाते हैं। मध्य प्रदेश का प्रभारी भी बनाया था। नतीजा सबके सामने है। अगर राहुल गांधी की बुद्धिमत्ता का प्रयोग है जीतू पटवारी तो इसके नतीजे भी भविष्य में ऐसे ही कांग्रेस को ही भुगतना है!

विचार-मंथन

विधायक निधि बढ़ने से बेहतर कामकाज की उम्मीद

जनप्रतिनिधियों के लिए अलग से विकास निधि की व्यवस्था इस मकसद से की गई थी कि कुछ बुनियादी काम घोषित परियोजनाओं से अलग भी संपन्न कराए जा सकें। चूंकि सांसद, विधायक और पार्षद लगातार लोगों के संपर्क में रहते हैं और वे अपने मुहल्ले, इलाके की बुनियादी समस्याएं उन्हें बताते रहते हैं। ऐसी समस्याओं को परियोजनाएं बना कर निपटाने में काफी वक्त लग सकता है, क्योंकि उनकी एक प्रक्रिया होती है। विधायकों और सांसदों के लिए अलग से निधि की व्यवस्था करने से इसका लाभ भी नजर आया। मुहल्लों की टूटी सड़कों, नालियों, पुलिया, पार्कों में व्यायाम-विश्राम के लिए कुछ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने आदि में आसानी हो गई। इन कार्यों से लोगों में उत्साह के मद्देनजर और वक्त की बदलती जरूरतों के मुताबिक समय-समय पर सांसद और विधायक निधि में बढ़ोतरी भी की जाती है। अभी दिल्ली सरकार ने विधायक निधि की रकम चार करोड़ से बढ़ा कर सात करोड़ रुपए करने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि इससे विधायक अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों का विस्तार कर सकेंगे। इस वित्तवर्ष में बढ़ी हुई राशि के केवल करीब आधे हिस्से यानी सौ करोड़ का आबंटन किया जाएगा। बाकी एक सौ बीस करोड़ रुपए अगले वित्तवर्ष में आबंटित किए जाएंगे। निश्चय ही विधायक निधि बढ़ने से दिल्ली में कुछ बेहतर कामकाज की उम्मीद जगी है। मगर जबसे जन प्रतिनिधियों के लिए विकास निधि के आबंटन की व्यवस्था की गई, तभी से इसमें अनियमितताओं की शिकायतें भी मिलती रही हैं। सांसद, विधायक और पार्षद भी किन्हीं ठेकेदारों, एजंसियों, स्वयंसेवी संगठनों आदि की मदद से अपने इलाकों की समस्याओं, शिकायतों को दूर करने का प्रयास करते हैं। सब जानते हैं कि उनमें कमीशनखोरी चलती है। कई मामलों में अपने करीबी लोगों को उपकृत करने की कोशिशें भी देखी जा चुकी हैं। इसलिए लंबे समय से इस निधि के उपयोग में पारदर्शिता लाने की मांग की जाती रही है। आम आदमी पार्टी अपने कामकाज में ईमानदारी और पारदर्शिता का दावा करते नहीं थकती। मगर विधायक निधि के उपयोग में वह इस पैमाने पर कितनी खरी उतरती है, देखने की बात है। जनप्रतिनिधि अपने हिस्से की निधि का इस्तेमाल अक्सर अपना राजनीतिक जनाधार मजबूत करने के मकसद से भी करते देखे जाते हैं। वे अपने किए कामों पर अपने नाम की पट्टी चिपकाने और उनका ढिंढोरा पीटने से परहेज नहीं करते। आम आदमी पार्टी के विधायक भी इससे अलग नहीं माने जा सकते। कई मौकों पर देखा जा चुका है कि पार्कों में व्यायाम के लिए उपकरण लगाने का श्रेय लूटने को लेकर स्थानीय विधायक और सांसद में रस्साकशी हुई। पिछले कुछ समय से दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच तनातनी के चलते अनेक कामों में बाधा आ रही है। ऐसे में सरकार के लिए यह एक सही रास्ता नजर आया होगा कि विधायक निधि में बढ़ोतरी करके लोगों में अधिक से अधिक काम के जरिए अपनी साख मजबूत की जा सकती है। मगर इसके लिए इरादे नेक होने बहुत जरूरी हैं। पहले ही उसकी कई योजनाएं अनियमितता के आरोपों से घिरी हुई हैं। विज्ञापनों पर बेतहाशा खर्च और छात्रवृत्ति जैसी कुछ लोकलुभावन योजनाओं पर प्रश्नचिह्न लगे हुए हैं। नगर निगम के कर्मचारियों और तदर्थ कर्मियों के वेतन, पारिश्रमिक आदि के भुगतान में देरी को लेकर विवाद खड़े होते रहते हैं। ऐसे में विधायक निधि के तौर पर अतिरिक्त धन के प्रावधान को लेकर कुछ लोगों के सवाल बेवजह नहीं कहे जा सकते।

जीत दल मिलने पर नहीं, दिल मिलने पर ही निर्भर करेगी

-राज कुमार सिंह

सत्ता के सेमीफाइनल के परिणामों ने फाइनल की पहेली और उलझा दी है। पांचों राज्यों के मतदाता स्पष्ट जनादेश के लिए प्रशंसा के पात्र हैं, पर इससे अगले लोकसभा चुनाव की स्पष्ट तस्वीर नहीं उभरती। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ से कांग्रेस को काफी उम्मीदें थीं, पर निराशा ही हाथ लगी, जबकि तेलंगाना ने उसे अप्रत्याशित रूप से सत्ता सौंप दी। पिछले विधानसभा चुनावों में जिस कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की सत्ता भाजपा से छीन कर सबको चौंका दिया था, वह इस बार ढंग से मुकाबला भी करती नहीं दिखी। यह कांग्रेस के लिए बड़ी चिंता का सबब होना चाहिए, क्योंकि अगले लोकसभा चुनाव में बमुश्किल 5 महीने दूर हैं। वैसे इन तीनों राज्यों में मिली जबरदस्त जीत भाजपा की भी चिंताएं दूर नहीं करती, क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में वह यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर चुकी है। किसान आंदोलन के मुद्दे पर एन.डी.ए. छोड़ गई नागौर सांसद हनुमान बैनीवाल की पार्टी रालोपा के साथ मिल कर भाजपा ने राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटें जीती थीं। 24 उसके अपने हिस्से में आई थीं। उससे बेहतर प्रदर्शन अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा क्या कर सकती है मध्य प्रदेश में भी राज्य की सत्ता हार जाने के चंद महीने बाद भाजपा ने 58 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल करते हुए 29 में से 28 लोकसभा सीटें जीत ली थीं। कांग्रेस तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे नकुल की छिंदवाड़ा सीट ही जीत पाई थी।

इसी तरह छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधानसभा में मात्र 15 सीटों पर सिमट कर 15 साल पुरानी सत्ता गंवा देने वाली भाजपा लोकसभा चुनाव में 11 में से नौ सीटें जीत गई थी। इन 3 राज्यों की 65 लोकसभा सीटों में से 61 अकेले दम भाजपा के पास हैं। क्या इससे बेहतर चुनावी प्रदर्शन संभव है इसीलिए भाजपा के लिए 2019 के लोकसभा चुनाव परिणाम की पुनरावृत्ति आसान नहीं मानी जा रही। पिछले लोकसभा चुनाव की तरह भाजपा ने हाल के विधानसभा चुनाव भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और चेहरे पर लड़े, पर परिणाम वैसे एकतरफा नहीं आए। ध्यान रहे कि 80 लोकसभा सीटों वाले सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सपा-बसपा गठबंधन के चलते ही भाजपा की सीटें फिसल कर 62 पर आ गई थीं। एन.डी.ए. सहयोगी अपना दल के साथ मिल कर यह आंकड़ा 64 पर पहुंच गया। मोदी-योगी की लोकप्रियता में कमी का कोई संकेत नहीं मिलता, लेकिन उत्तर प्रदेश-बिहार सरीखे जातीय अस्मिता की मुखर राजनीति वाले राज्यों में अगर सामाजिक समीकरण के अनुरूप राजनीतिक समीकरण बन जाएं तो पासा पलटने में देर नहीं लगती। रणनीति अथवा राजनीतिक बाध्यता के चलते ही सपा-रालोद गठबंधन में बसपा और कांग्रेस भी आ गए, तब क्या होगा 40 सीटों वाले बिहार में पिछले लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जद (यू), एन.डी.ए. में था और गठबंधन को 39 सीटें मिली थीं। भाजपा और जद (यू), दोनों ही 17-17 सीटें जीतने में सफल रहे थे। अब जबकि जद (यू), राजद, कांग्रेस और वाम दलों के साथ महागठबंधन का हिस्सा हैं, भाजपा पासवान चाचा-भतीजा या उपेंद्र कुशवाहा-जीतन राम मांझी को साथ ले कर भी उस प्रदर्शन की पुनरावृत्ति नहीं कर सकती। हरियाणा की सभी 10 और दिल्ली की सभी 7 सीटें भी लोकसभा में भाजपा के पास हैं। उत्तर भारत की तरह पश्चिम भारत में भी पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। गुजरात में वह अकेले दम पर सभी 26 सीटें जीतने में सफल रही थी, जबकि 48 सीटों वाले महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ गठबंधन में एन.डी.ए. 41 सीटों पर कब्जा करने में सफल रहा था। भाजपा के हिस्से 23 और शिवसेना के हिस्से 18 सीटें आई थीं। अब जबकि शिवसेना, एन.सी.पी. और कांग्रेस के साथ एमवीए बना चुकी है, शिवसेना और एन.सी.पी. में विभाजन से भी भाजपा के लिए उतनी सीटें जीत पाना संभव नहीं लगता। गोवा की दोनों सीटें पिछली बार भाजपा जीतने ऐसे में सफल रही थी। ऐसे में यह समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि उत्तर ही नहीं, पश्चिम भारत में भी भाजपा की सीटें बढ़ने की संभावनाएं कम, घटने की आशंकाएं ज्यादा हैं। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाले राज्यों की सूची में कर्नाटक को भी शामिल कर सकते हैं, जहां 2018 के विधानसभा चुनाव में बहुमत से पिछड़ जाने के बावजूद भाजपा 28 में 25 अकेलेदम और एन.डी.ए. के रूप में 26 सीटें जीतने में सफल रही थी। इसी साल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथों करारी शिकस्त के बाद लोकसभा चुनाव में पुराने प्रदर्शन की पुनरावृत्ति की खुशफहमी भाजपा को शायद ही होगी। यही कारण है कि अब उसी जनता दल सैक्युलर से गठबंधन करना पड़ा है, जिस पर तमाम तरह के आरोप लगाए जाते रहे। दरअसल सही गठबंधन ही अगले लोकसभा चुनाव में सफलता की निर्णायक कसौटी बनता दिख रहा है। इसीलिए जहां 26 विपक्षी दलों ने मिल कर इंडियन नैशनल डिवेल्पमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) बनाया तो भाजपा ने भी एन.डी.ए. को पुनर्जीवन देते हुए उसका भारी-भरकम विस्तार किया। दक्षिण भारत में कांग्रेस ने जिस तरह पहले कर्नाटक और अब तेलंगाना की सत्ता हासिल कर ली है, वह भाजपा के लिए चुनावी चुनौती बढ़ाने वाली है, पर शायद इसी से नई राह भी निकलेगी। तेलंगाना में सत्ता गंवाने वाले केसीआर की पार्टी बी.आर.एस. के रूप में भाजपा को दक्षिण में एक और दोस्त मिल सकता है। दोनों मिल कर 17 सीटों वाले तेलंगाना में कांग्रेस को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। आंध्र में कांग्रेस और भाजपा, दोनों ही इतने कमजोर हैं कि सत्तारूढ़ वाई.एस.आर.सी.पी. या प्रमुख विपक्ष टी.डी.पी. चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए आसानी से तैयार नहीं होंगी। पिछली बार अकेले दम 303 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार गठबंधन पर जोर सीटों में कमी की आशंका के चलते ही दे रही है, जबकि उसे टक्कर देने की विपक्षी रणनीति का आधार ही गठबंधन है। 1977 और 1989 के चुनाव परिणाम बताते हैं कि मजबूत सत्तारूढ़ दल को भी उसके विरुद्ध हर सीट पर एक सांझा उम्मीदवार उतार कर मात दी जा सकती है, पर हाल के विधानसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन में बढ़ी तल्खियों से उस प्रयोग पर सवालिया निशान लगता नजर आया।

प्रेमपूर्ण जीवन से दुख का हो सकता है अंत...

सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

दुख एक ऐसी भावना है जो हमारे मन में दर्द और दुविधा का अनुभव कराती है। यह एक अनिच्छुक अनुभव होता है जो हमारे जीवन के रोमांचिक पहलू को छू लेता है और हमारे मन की तंगी को बढ़ाता है। दुख हमें दुखी और असंतुष्ट बना देता है और हमारे संतुलन को हिला देता है। व्यक्तिगत दुख में व्यक्ति अकेलापन और विचलन से जूझता है और इसके कारण उसका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। दुख का अनुभव करने वाले व्यक्ति को भावनात्मक और भौतिक पीड़ा होती है, वह परिस्थितियों से पराजित महसूस करता है। व्यक्तिगत दुख का कारण अकेलापन, मृत्यु, रोग, असमंजस और विचलन हो सकता है। सामाजिक दुख का कारण सामाजिक न्याय की सत्ता, सामाजिक विरोध, असहमति और व्यक्तिगत और सामाजिक संबंधों में व्यक्तिगत और सामाजिक विवाद हो सकता है। दुख का भाव हर किसी को होता है और यह हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है। किसी व्यक्ति के जीवन में किसी भी प्रकार के दुख का अनुभव हो सकता है और इसका प्रभाव भी सभी व्यक्तियों पर भारी पड़ता है। दुख का होना हमारे जीवन में उच्च और नीचे के संघर्ष की भावना भी उत्पन्न करता है। हम चाहते हैं कि हमारा जीवन सदैव खुशहाल और संतुष्ट रहे, लेकिन दुख के अनुभव से हमारा जीवन विचलित हो जाता है। जिन लोगों को दुख का अनुभव हुआ होता है, वे अपनी संतानों और दूसरों को यही सिखाते हैं कि दुख के माध्यम से जीवन में समृद्धि होती है। दुख से बचने के साधन हैं आत्मानुभवी होना, समाधान और क्षमाशीलता की अद्भुत सजीव ताकत। कहते हैं, दूसरों की गलतियां देखना बहुत आसान है, लेकिन अपनी भूल देखने के लिए नजर और नजरिया दूसरा चाहिए। जिन आंखों से हम बाहर की दुनिया देखते हैं, जिनके माध्यम से कई दृश्य जीवन में उतार लेते हैं, वे आंखें स्वयं की भूल देखने के काम नहीं आतीं। इन्हीं आंखों को थोड़ा-सा भीतर मोड़ दें, तब अपनी भूल नजर आ सकती है। लोग इतने आदी हो जाते हैं कि भूल ही जाते हैं कि अपनी नजरों से अपने भीतर भी देखा जा सकता है। अगर वे इन्हें भीतर की ओर मोड़ना सीख लें तो कई समस्याओं का समाधान अपने आप हो जाएगा। व्यक्ति के दुख का कारण उसकी 'मैं' की भावना है। इसीलिए कबीर कहते हैं- 'जब मैं था, तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाहीं। प्रेम गली अति सांकरी जामे दो न समाहिं' 'मैं' की भावना जितनी अधिक होगी, दूसरों से संपर्क साधना उतना कठिन होगा। दूसरों से संपर्क साधने के लिए मोबाइल, कंप्यूटर या अत्याधुनिक तकनीकों की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके लिए प्रेम की आवश्यकता पड़ती है। लोग भूल गए हैं कि प्रेम किस चिड़िया का नाम है। ऐसे में प्रेमपूर्ण होना कठिन हो गया है। अगर हमें दूसरों को प्रेम का मतलब समझाना हो या खुद प्रेम में उतारना हो तो एक आध्यात्मिक तरीका है- करुणामय हो जाना। करुणा प्रेम का ऐसा विकल्प है, जिसमें थोड़ी बहुत सुगंध और स्वाद रह सकता है। करुणा की विशेषता यह है कि वह अलग-अलग क्रिया में भिन्न परिणाम देती है। करुणा को सहयोग से जोड़ दें तो प्रेम की झलक मिलेगी। करुणा वाणी से जुड़ जाए तो भरोसा पैदा होता है। चिंतन में अगर करुणा का समावेश हो जाए तो परिपक्वता आ जाती है। क्रिया से जुड़ जाए तो परोपकार बनने लगता है। क्रोध में उतर आए तो हितकारी दृष्टि, स्नेह और ममता जाग जाती है। मांग में करुणा आने पर प्रार्थना पैदा होती है और प्रार्थना में अगर करुणा उतर जाए तो फिर भक्ति पैदा हो जाती है। जब भी भीतर करुणा उतरे, पहला काम यह किया जाए कि इसे दूसरों से जोड़ें। अपनी करुणा को खुद पर खर्च करने में कंजूसी न करें। अगर प्रेमपूर्ण होना कठिन हो तो कम से कम करुणामय तो हो ही जाएं। इस तरह प्रेमपूर्ण जीवन की राह से दुख के शूल मिटा सकते हैं। दुख दूर करने और सुख पाने के लिए संबंध बनाए रखना जरूरी है। संबंध के बीज बड़ी सावधानी से बोने पड़ते हैं और उससे भी ज्यादा सावधानी देखरेख में बरतनी पड़ती है। फसल के लिए सबसे नुकसानदायक होती है खरपतवार। ये वे छोटे-छोटे निरर्थक पौधे होते हैं जो मूल फसल के पौधे के आसपास उगकर उसका शोषण करते हैं। किसान समय-समय पर खरपतवार को नष्ट करता रहता है।

मुबारक हो, ट्रिपल इंजन की सरकार

आज तोता राम हमारे जाग जाने से पहले ही हाजिर, जैसे कि चुनाव की घोषणा होते ही टिकटार्थी नोटों से भरा सूटकेस और अपने जिताऊ उम्मीदवार होने के प्रमाण स्वरूप पुलिस केसों की लिस्ट लेकर पार्टी कार्यालय को घेर लेते हैं। हमने छेड़ा- आज कौन सा स्वार्थ भगा लाया भक्त को। बोला- हम स्वार्थी भक्त नहीं हैं। हम तो पार्टी के अनुशासित सिपाही हैं। जनता की सेवा के लिए हम किसी भी हद तक जा सकते हैं लेकिन अपने कुछ मांगने के मामले में मामा शिवराज सिंह जी की तरह हैं। मर जाएंगे लेकिन कुछ मांगने के लिए दिल्ली नहीं जाएंगे। आज तो हम तुझे विशेष रूप से 'मुबारकबाद' देने आए हैं। हमने कहा- हम भी हिन्दुत्व, राष्ट्रीयता और गुलामी के बचे-खुचे चिह्नों को मिटाने के मामले में तेजस्वी सूर्या से कम नहीं हैं। शुभकामना दे, बधाई दे लेकिन यह 'इस्लामी' मुबारकबाद किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं है। बोला- चल, तेरी ही बात बड़ी कर देता हूं, ट्रिपल इंजन की सरकार कल्याणकारी हो, शुभ हो, मंगलमय हो। हमने तोताराम को फिर फफेड़ा- यह ट्रिपल भी 'घमंडिया' के 'इंडिया' की तरह अंग्रेजी है, इंजन भी अंग्रेजी और 'सरकार' फिर कहीं न कहीं अरबी-फारसी-उर्दू वाली इस्लामी संस्कृति की याद दिलाता है। बोला- इस तरह तो हम हिन्दी वालों का बोलना ही मुश्किल हो जाएगा। अंग्रेजी, उर्दू शब्दों के बिना कैसे काम चलेगा? खैर, कोशिश करता हूं। 'त्रिगुण अग्निरथ सत्ता' कल्याणकारी हो। हमने कहा- सब तो डबल इंजन की सरकार का जुमला फेंकते हैं लेकिन अब यह तीन इंजन की सरकार कहां से आ गई? बोला- जो केंद्र में वही राज्य में। तो डबल। और उस पर ब्राह्मण मुख्यमंत्री तो हुई कि नहीं त्रिगुण इंजन सत्ता? कल पहली बार राज्य में तेरे सरनेम वाले हरिदेव जोशी के 33 साल बाद कोई ब्राह्मण मुख्यमंत्री बना है। अब और क्या चाहिए? देखा नहीं, तेरे सरनेम वाले राजस्थान विप्र सेना के अध्यक्ष समेत कितने ब्रह्मज्ञानियों ने भजन लाल शर्मा को पूरे पेज के विज्ञापन द्वारा बधाई दी है। हमने कहा- यह बात तो है। तीन-तीन मुस्लिम राष्ट्रपतियों के बाद मुसलमानों का, जेल सिंह के बाद सिक्खों का, रामनाथ कोविन्द के बाद हरिजनों का, मुर्मू के बाद आदिवासियों का, प्रतिभा सिंह पाटील के बाद महिलाओं का, कल्याण हो गया वैसे ही अब राजस्थान में किसी ब्राह्मण भजनलाल के मुख्यमंत्री बनने के बाद ब्राह्मणों विशेषकर 'जोशी ब्राह्मणों' का कल्याण पक्का। लेकिन यह मत भूल कि कोविन्द जी को राम मंदिर के शिलान्यास और मुर्मू को संसद के उद्घाटन में नहीं बुलाया गया। मुर्मू के काल में ही मध्यप्रदेश में किसी आदिवासी का लघुशंका वाले तरल पदार्थ से अभिषेक करने की घटना हुई है। झारखंड में बिरसा मुंडा और दंतिवाड़ा में महाराणा प्रताप की मूर्ति लगा देने से या किसी आदिवासी को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बना देने से आदिवासियों के संसाधनों पर मित्रों का कब्जा नहीं थम जाएगा। बोला- अगर इस खुशखबरी के बदले अगर तिल के लड्डू या जलेबी नहीं खिलाना है तो मत खिला लेकिन कम से कम 33 साल बाद किसी ब्राह्मण के राज्य के मुख्यमंत्री बनने की खुशी का सत्यानाश तो मत कर। हमने कहा- वैसे तुझे बता दें। यह डबल ट्रिपल इंजन कुछ नहीं होता। अगर ढंग से काम करे तो एक इंजन ही बहुत है अन्यथा अगर दो इंजन गाड़ी को दो दिशाओं में खींचने लगें तो क्या होगा? अगर एक इंजन खराब हो गया तो गाड़ी के लिए बोझ बन जाता है। स्वार्थों से भरे इस समय में तीन-तीन इंजनों का समन्वय बैठाना कितना कठिन है यह क्या किसी से छुपा है? कहीं मामा तो कहीं बुआ ब्याह बिगाड़ने बैठे हैं।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5089

	4			1			6	
9		6	5		2			4
						9	5	
3	2						8	
1			7	5	9			2
	9						1	5
	7	4						
6			4		8	5		1
	5			2			9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5088

2	5	4	8	9	7	6	3	1
3	6	7	2	4	1	9	8	5
8	1	9	3	6	5	7	4	2
7	4	8	1	3	6	2	5	9
6	2	1	5	8	9	4	7	3
5	9	3	7	2	4	1	6	8
4	8	2	6	1	3	5	9	7
9	3	5	4	7	2	8	1	6
1	7	6	9	5	8	3	2	4

वर्ग पहेली 5089

संकेत: बाएं से दाएं

1. यह विश्व का सबसे ऊंचा पठार है जिसे विश्व की छत भी कहा जाता है (3)
4. पश्चिमी भारत में स्थित एक राज्य है जहां का प्रसिद्ध व्यंजन खमण है (4)
7. फूल जैसा बदन या कोमल अंगों वाला या वाली (5)
8. शरीर पर काले रंग का गहरा दाग (2)
9. यह ब्रिटेन देश का राष्ट्रीय पुष्प है जिसे अंग्रेजी में रोज कहा जाता है (3)
12. अज्ञात, अप्रसिद्ध, गुमनाम (3)
13. मैथिलीशरण गुप्त की एक प्रसिद्ध कृति, अयोध्या नगरी को यह भी कहते हैं (3)
15. किसी शहर या कस्बे का प्रवेश स्थल (2)
17. खुदपरस्त, खुदगर्ज, स्वार्थी (4)
19. दरवेश, भिक्षुक, भिखमंगा (3)
21. लोहार का बड़ा हथौड़ा (2)
22. किसी फूल का अर्धविकसित रूप (2)
23. [illegible], दराज (3)
24. जलधि, उदधि, समुद्र (3)

ऊपर से नीचे

1. जुगाली, चर्वण, रोमंथ (3)
2. दूरी नापने की एक प्राचीन इकाई (2)
3. एक वृक्ष के रस को पकाकर बनाया जाने वाला अत्यंत लचीला पदार्थ (3)
4. अस्पष्ट व धीरे-धीरे बोलना या गाने की क्रिया यह कहलाती है (5)
5. पशुओं का दैनिक आहार, एक दिन की खुराक (3)
6. सात पातालों में से पहला, पैर (2)
10. खरी-खोटी, अपशब्द, बेहूदा बातें (4)
11. इशारा, इंगित, प्रतीक (3)
13. इस वेद में भारतीय संगीत शास्त्र का आरंभ होता है और गांधर्व वेद इसका उपवेद है (4)
14. तहखाना, जमीन के नीचे का बना कमरा (4)
16. बंसी या बांसुरी को यह भी कहा जाता है (3)
18. सपेरों का प्रसिद्ध बाजा (2)
20. बबूल के पेड़ को यह भी कहते हैं (3)

वर्ग पहेली 5088 का हल

सी	न		या	त्री	कि		सी
फ	ल	दा	न		शो	ध	क
मि	क	दा	र		र	न	र
नि				श	कु		
स्ट	डी			का	मा	य	नी
र	न	वे		क	र	धा	ता
		ल		तों		क	
सा	ध	न			गी	दा	न

नवीन अफीम नीति में सुधार को लेकर सांसद गुप्ता ने वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से मुलाकात की

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को नई दिल्ली में सांसद सुधीर गुप्ता ने अफीम नीति 2024-25 को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और केंद्रीय वित्त सचिव संजय मल्होत्रा से भेंट की एवं संसदीय क्षेत्र के अफीम किसानों के संबध में विभिन्न विषयों में विस्तारपूर्वक चर्चा की। सांसद गुप्ता ने चर्चा करते हुए कहा कि जिन किसानों के 1995 के बाद लाइसेंस जारी नहीं हुए है और जिन्हे गाढता व किसी भी अपराध में सम्मिलित नहीं होने के बावजूद भी अफीम के लाइसेंस जारी नहीं किए हैं, ऐसे किसानों को वर्ष 2024-25 की नवीन अफीम नीति में सम्मिलित किया जाए। क्षेत्र में ऐसे अफीम किसानों की संख्या लगभग 50 हजार है। उन्होंने बताया कि मालवा क्षेत्र का किसान काफी मेहनती है और अपनी मेहनत और पूरी ईमानदारी में विश्वास रखता है। साथ ही उन्होंने 2024-25 की अफीम नीति को समय पूर्व जारी करने की मांग भी रखी और कहां की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन की जाए व प्रक्रिया पूरी करने में विभाग किसानों को पूर्णत सहयोग करें, क्योंकि समय से अफीम लाइसेंस जारी करने पर किसान को बोवनी समय पर करने का मौका मिलेगा और वह उचित मानक की फसल प्राप्त कर सकेगा।

सांसद गुप्ता ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री और मोदी सरकार किसानों की आय को बढाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और उसके सकारात्मक परिणाम भी आ रहे हैं। जहाँ पर वर्ष 2014 में अफीम लाईसेंस की संख्या मात्र 18 हजार थी, लेकिन मोदी सरकार के आने के पश्चात अफीम किसानों को खेती में होने वाली समस्याओं को केन्द्र सरकार ने समझा एवं किसानों के हीतों को ध्यान में रखकर प्रतिवर्ष पॉलिसी का निर्माण किया गया, जिससे इस वर्ष तक अफीम लाईसेंस की संख्या बढकर लगभग 1 लाख से भी अधिक हो गयी हैं। इसी के साथ ही उन्होने किसानों के कई विषय भी रखे। इस पर वित्तमंत्री व वित्त सचिव द्वारा पूरा आश्वासन दिया गया कि सरकार किसानों के हित में कोई भी निर्णय लेने से पीछे नहीं हटेगी। इस अवसर पर चित्तौडगढ के सांसद और राजस्थान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी भी साथ थे।

गर्ग (केडिया) व काबरा परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस पपू उत्तम स्वामीजी ने कहा...

मनुष्य पापकर्म करने से बचे, पापकर्म जीवन में दुःख देते है

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गर्ग (केडिया) व काबरा परिवार के तत्वावधान में रूद्राक्ष माहेश्वरी धर्मशाला में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा (ज्ञान गंगा महोत्सव) का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 17 से 23 दिसम्बर तक प्रतिदिन दोप. 1 से सायं 5 बजे तक परम पूज्यनीय महर्षि 1008 महामण्डलेश्वर श्री श्री उत्तम स्वामीजी के मुखारविन्द से यह श्रीमद् भागवत कथा हो रही है। रामगोपाल बापूलाल काबरा परिवार, पन्नालाल सालगराम गर्ग (केडिया) व पन्नालाल दुलीचंद गर्ग (केडिया) परिवार के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का विराट आयोजन हो रहा है। इस कथा महोत्सव में प्रतिदिन हजारों धर्मालुजन रूद्राक्ष माहेश्वरी धर्मशाला में आकर कथा का रसपान कर रहे है।

सोमवार को श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस प्रहलाद रामगोपाल काबरा, सत्यनारायण गर्ग (केडिया), पीयूष ट्रेडर्स परिवार व प्रहलाद पीयूष गर्ग (केडिया) परिवार एवं प.पू. उत्तम स्वामी गुरू भक्त मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तपन भौमिक के द्वारा भागवत पोथी का पूजन किया गया। पोथी पूजन के उपरांत प.पू. महर्षि महामण्डलेश्वर श्री उत्तमस्वामीजी ने धर्मसभा में कहा कि मनुष्य को पाप व पुण्य के भेद को समझना चाहिये। जीवन में यदि पाप करोगे तो उसका परिणाम दुखद ही होगा। तथा पुण्य का परिणाम सुखद होगा। श्रीमद् भागवत हमें पाप व पुण्य का भेद समझाती है। भागवत कथा मनुष्य के विवेक को जागृत करती है तथा जीवन में प्रभु भक्ति का गुण बड़ाती है। यदि नास्तिक व्यक्ति भी इसका श्रवण करता है तो वह धर्म के प्रति आस्थावान बन जाता है। श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस प.पू. श्री उत्तमस्वामीजी के श्रीमुख से श्रीकृष्ण के भक्ति गीतों को सुनकर धर्मालुजनों ने नृत्य भी किया। प.पू. श्री उत्तमस्वामीजी ने पाप के प्रकारों का वर्णन करते हुए कहा कि भागवत व धर्मग्रंथों में 1100 प्रकार के पापकर्म बताये गये है। तथा उनका भिन्न भिन्न फल बताया गया है। मद्यपान (शराब) पीना, चोरी करना, विद्वान सद्गुणी व्यक्तियों को परेशान करना श्रीमद् भागवत में पाप बताया गया है। जो ऐसे पाप करता है मनुष्य को ऐसे व्यक्तियों की संगति भी नहीं करना चाहिये। आपने कहा कि चिंता करने या दुख से शरीर घटता है, पाप करने से पुण्य घटता है। जीवन में यदि पुण्य बड़ाना है तो पापकर्म करना छोड़ो। पापकर्म करने से बचो और पुण्य कर्म करने का प्रयास करे। जीवन में यदि आप दुखी है तो विचार करें कि यह दुख क्यों है ? यदि हम पापकर्म करते है तो हमें उसका परिणाम दुख के रूप में ही भोगना पड़ता है। जीवन में यदि संतान होने पर भी संतान के कारण दुख है विवाहित होने पर भी पत्नी के कारण दुख है तो जीवन में आत्मचिंतन की जरूरत है। आपने कहा कि जीवन में यदि दुख है तो उसे केवल गुरूजनों के सामने प्रकट करो और क्या समाधान है पूछो। यदि आप दुख के किस्से दूसरों को सुनाओगे तो तुम्हारा मजाक ही उड़ेगा। तुम्हारे दुखों पर तर्क वितर्क होगा, लेकिन समाधान नहीं होगा।

इन्होंने किया पौथी पूजन– श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस सोमवार को दोपहर में कथा शुभारंभ अवसर पर गर्ग (केडिया) व काबरा परिवार के सदस्यगणों ने पौथी पूजन किया। गर्ग परिवार की ओर से हरिश गर्ग, महेश गर्ग, रमेश (रम्मु) अग्रवाल, सूरजमल गर्ग, जगदीश गर्ग, विनोद गर्ग, दिलीप गर्ग, प्रहलाद गर्ग, ब्रह्मप्रकाश गर्ग, पियुष गर्ग, हितेश गर्ग, हिमांशु गर्ग, कैलाश अग्रवाल रतलाम, काबरा परिवार की ओर से प्रहलाद काबरा, कल्याणमल न्याती, नारायण अजमेरा, लक्ष्मीनारायण जमीदार, दामोदर, मणीलाल, रामेश्वर काबरा व गर्ग परिवार के आग्रह पर मंदसौर कथा श्रवण करने पधारे प्रतीक काले नासीक महाराष्ट्र, सुरेश पटेल जावरा, रामजीवन यादव सिहार, जीवन यादव देवास, हरिश माहेश्वरी बदनावर, ईश्वर मालवीय आगर, सूरज जोशी इंदौर, इकबाल भाई झालोद गुंजरात, सुरेश पांचाल जावरा, कमल आंजना नीमच, कमल गर्ग, नरेन्द्र गर्ग, रामेश्वर गर्ग, जनपद पंचायत मंदसौर अध्यक्ष बसंत शर्मा, युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सोमिल नाहटा, युवा भाजपा नेता डॉ. भानुप्रतापसिंह सिसौदिया, युवा प्रेस क्लब अध्यक्ष महावीर जैन, रोटरी क्लब के अध्यक्ष पवन पोरवाल, सचिव अनिल चौधरी, दिनेश जैन सीए, भूपेन्द्र सोनी, डॉ. अजय व्यास, प्रवीण उकावत, श्रवण अग्रवाल, दिनेश रांका, संजय गोठी, अजय नागोरी, राजेश संचेती, डॉ. वीणा व्यास, हनुमंत राणावत, मनीष गर्ग आदि ने भागवत पौथी की आरती की।

जिले की सभी जनपदों की 10-10 पंचायतों को हर माह टीबी मुक्त करवाये-जैन

नीमच, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। टी.बी.मुक्त भारत अभियान के तहत नीमच जिल की तीनों जनपद क्षेत्र की 10-10 ग्राम पंचायतों को हरमाह टी.बी.मुक्त घोषित करवाये। विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविरों में टी.बी.रोगियों की अधिकाधिक जॉच करें, और विकसित भारत संकल्प यात्रा के पोर्टल पर स्क्रीनिंग का डेटा अपलोड करें। सामुदायिक स्वास्थ्य संगठकों (सीएचओ) द्वारा टी.बी.मरीजों की जॉच के कार्य की प्रगति के आधार पर सत्यापन करने के बाद ही उन्हे इन्सेसटिव का भुगतान करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्वास्थ्य समित की बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा के दौरान दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, सहायक कलेक्टर श्री सृजन वर्मा, सीएमएचओ डॉ.एस.एस. बघेल व सभी बीएमओं, स्वास्थ्य अधिकारी, जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ.आशीष बोरना, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एंव बाल विकास श्री ताराचन्द मेहरा व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम की लक्ष्यपूति की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि परिवार कल्याण कार्यक्रम की लक्ष्यपूर्ति पर विशेष ध्यान दिया जाये। पुरूष नसबंदी को प्रोत्साहित किया जाये। पुरूष नसबंदी के लक्ष्य को हांसिल करने के लिए प्रत्येक पंचायत से दो-दो पुरूष नसबंदी करवाने का लक्ष्य पंचायत सचिव को और पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता को चार-चार नसबंदी का लक्ष्य आवंटित करने के निर्देश दिए। सभी बीएमओं समय-समय पर एनआरसी का निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें, कि एनआरसी में कोई भी सीट खाली ना रहे। बैठक में आयरन डेफीसिएन्सीन जागरूकता माह की तैयारियों की समीक्षा में बताया गया, कि 18 दिसम्बर 2023 से 18 जनवरी 2024 तक आयरन डेफीसिएन्सीक माह का आयोजन किया जा रहा है। इस माह में बच्चों को आयरन फोलिक एसिड की टेबलेट खिलाई जावेगी। कलेक्टर ने निजी स्कूआलों के बचो को भी आयरन टेबलेट लिखवाने के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने आंगनवाडी केन्द्रों के बच्चों को आयरन सिरप पिलाने एंव अभियान की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। निर्देश दिए गये कि प्रत्येक मंगलवार की शाम को कितने बच्चों को आयरन टेबलेट खिलाई गई। इसकी जानकारी संकलित कर उपलब्धय करायें इस कार्य की मॉनिटरिंग के लिए संकुल प्राचार्य एवं जनशिक्षकों को लगाने के निर्देश भी दिए गये।

कलेक्टर ने चार अधिकारियों सहित सभी जनपद सीईओ को शोकाज नोटिस जारी किया

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान अधिकारियों द्वारा की जा रही गंभीर लापरवाही एवं स्टॉल लगाने के दौरान समुचित व्यवस्था ठीक से न करने पर दंडात्मक कार्यवाही सहित एक दिन का वेतन काटने एवं कारण बताओ नोटिस जारी करने की कठोरतम कार्यवाही की है।

कलेक्टर ने सीतामऊ एसडीओ पर दंडात्मक कार्यवाही की है। इनके द्वारा विकास यात्रा के दौरान अनुपस्थित रहने की गंभीर लापरवाही की गई। इसके साथ ही उनके द्वारा यात्रा के दौरान कोई भी स्टॉल नहीं लगाया गया। मंदसौर तहसीलदार, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के मंदसौर विकासखंड प्रबंधक, ग्रामीण उद्यान विकास अधिकारी मंदसौर एवं मंदसौर सीडीपीओ का एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश जारी किए है। इन सभी के द्वारा संकल्प यात्रा के दौरान ठीक से व्यवस्था नहीं की गई। सभी जनपद सीईओ द्वारा संकल्प यात्रा के दौरान ठीक से व्यवस्था न करने के कारण कलेक्टर ने सभी को नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही ईई पीएचई द्वारा जल जीवन मिशन के अभिनंदन पत्र शिविर में वितरण न करने एवं पोर्टल पर एंट्री नहीं के कारण कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। उपसंचालक कृषि को ऑनलाइन पोर्टल पर एंट्री नहीं के कारण कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। लीड बैंक मैनेजर को वेबसाइट पर केसीसी की एंट्री नहीं करने कारण नोटिस जारी किया। वही सीएमएचओ को एनीमिया की एंट्री पोर्टल पर नहीं करने का कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कारण बताओ सूचना पत्र जारी होने के पश्चात इन सभी अधिकारियों के द्वारा अगर संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। तो इनके विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी।

आर्य समाज मंदसौर ने गरोठ में कथावाचक सहित आयोजन समिति का किया सम्मान, सहयोग राशि भी भेंट की

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदसौर के सभासदों द्वारा दिनांक 17 दिसम्बर 2023 को गरोठ जाकर वहां आयोजित हो रही श्री रामकथा श्रवण का लाभ लिया। एवं मंदसौर आर्य समाज के पदाधिकारीगण अध्यक्ष मधुसुदन आर्य, कोषाध्यक्ष डालूराम लिलोरिया एवं मंत्री राजेश पालीवाल द्वारा कथा वाचक अंजली आर्य एवं काशीराम अनल तथा कथा के आयोजनकर्ता आर्य समाज गरोठ के पदाधिकारी प्रधान खुशालचन्द आर्य, उप प्रधान बालाराम पटेल, मंत्री चेतन आर्य, कोषाध्यक्ष राजेश आर्य, सदस्यगण ओमेश कोयता, भेरूलाल (वाड़ावाला), विनोद सेन, रामनिवास आर्य, कमलेश गुर्जर, उत्तमसिंह आर्य, अंकुश आर्य का सम्मान किया तथा 11 हजार रू. सहयोग राशी का चेक भेंट किया।

2 वर्ष पूर्व बालक की लाश नही मिलने पर प्रदर्शन करने के मामले में...

जोकचन्द सहित 12 आरोपियों को जमानत पर किया रिहा

पिपलियामंडी, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 2 वर्ष पूर्व बालक की लाश नही मिलने पर गांव झारड़ा में रेतम नदी ज्वाला मंदिर घाट पर प्रदर्शन करने के मामले में मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द सहित 12 आरोपियों को नारायणगढ़ न्यायालय ने जमानत पर छोड़ दिया, इस मामले में दो आरोपी अनुपस्थित रहे। जानकारी के अनुसा 14 नवम्बर 2021 को रेतम नदी में भैंस के साथ नदी से बाहर आते समय झारड़ा निवासी 15 वर्षीय बालक विकास पिता गोपाल गायरी डूब गया था, साथ में उसका चचेरा भाई रवि पिता जीवन गायरी भी था, जो तैरकर बाहर आ गया। सूचना पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी व मन्दसौर से गोताखोर की टीम भी पहुंची थी, लेकिन बालक का पता नही चला। दूसरे दिन भी बालक का पता नही चला तो किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द सहित ग्रामीण ने विरोध किया व नदी का पानी निकालने की बात को लेकर सड़क पर बैठकर नारेबाजी की थी। बाद में दूसरे दिन नदी में बालक की लाश बरामद हुई थी। झारड़ा पुलिस चोकी ने इस मामले में जोकचन्द्र के साथ ही सुनील दिवाणिया, राजेश भारती, दिनेश गुप्ता, आनंद हुपेले, हेमन्त तिवारी, राहुल कीथिरिया, नरसिंह नायक, विनय कुमठ, रामदयाल धनगर, अर्जुन गायरी, मनीष साहू, परशराम गायरी, श्यामलाल माली के खिलाफ धारा 147, 241, 117, 120 बी में केस दर्ज कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। इस मामले में सोमवार को जोकचन्द्र सहित 12 आरोपी नारायणगढ़ न्यायालय में पेश हुए। आरोपियों की ओर से अधिवक्ता जैनूल सय्यद मन्सूरी मन्सूरी ने न्यायालय के समक्ष तर्क रखा कि प्रशासन ने समय रहते उचित कार्रवाई नही की, इस कारण बालक की मौत हो गई। सभी ने आपराधिक आशय से यह कार्य नही की, जनभावना व सद्भावना के तहत सभी बालक की लाश को ढूंढने के लिए मांग की थी। लेकिन राजनैतिक दुर्भावनावश पुलिस ने झूंठा आपराधिक प्रकरण दर्ज किया है। सभी को जमानत दी जाए। न्यायाधीश स्वरुपकुमारसिंह ने तर्क सुनने के बाद सभी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए।

वृत्त स्तरीय गिद्धगणना प्रशिक्षण गांधीसागर में सम्पन्न

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश स्तरीयगिद्ध गणना का कार्य वन विभाग द्वारा स्वयं सेवी संस्थाओ एवं विभाग के कर्मचारियोंकी मदद से किया जाना है। इस हेतु प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन मे किया गया था। वृत्त स्तरीय प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन गाँधीसागर अभयारण्य मे किया गया। जिसमे उज्जैन वृत्तअंतर्गत वन मण्डल देवास, शाजापुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, उज्जैन एवं मंदसौर के कुल 80 वन अधिकारियों/कर्मचारियों तथा स्वयं सेवकों ने प्रतिभागिता की ।वृत्त स्तरीय कार्यशाला हेतु प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) भोपाल से नियुक्त मास्टर ट्रैनर डॉक्टर विकास यादव द्वारा उपस्थित समस्तप्रशिक्षणार्थियों को गिद्धों के पारिस्थितिकीय तंत्र मे महत्व को समझाते हुए गिद्धगणना की बारीकियों से अवगत कराया।

गाँधीसागर अभयारण्य मे मौजूद गिद्धों की 07 प्रजाति – गाँधी सागर अभयारण्य मे गिद्धों की कुल 07 प्रजातियाँ पाई जाती है जिसमे से 04 प्रजाति - देशीगिद्ध , ईजिप्शियन गिद्ध ,सफेद पीठ वाला गिद्ध एवं राज गिद्ध स्थानिय है तथा 03 प्रजाति - सिनेरियस (काला गिद्ध), हिमालयन ग्रिफन एवं यूरेशीयन ग्रिफन प्रवासी गिद्ध है जोसर्दी के समय अभयारण्य को अपना आवास स्थल बनाते है । वर्ष 2021 की गणना मे मध्यप्रदेश मे दूसरे नंबर पर था मंदसौर जिला - वर्ष 2021 में हुए गिद्ध गणना मे मंदसौरजिले मे, पन्ना जिले के उपरांत सर्वाधिक गिद्धों की उपस्थिति पाई गई थी ,गिद्ध गणनारिपोर्ट अनुसार मंदसौर जिले मे वर्ष 2021 मे 676 गिद्ध पाए गए थे। दो चरणों मे की जाएगीगिद्ध गणना - मास्टर ट्रैनर द्वारा बताया गया की इस वर्ष होने वाली गिद्ध गणना 02 चरणोंमे की जाएगी ताकि स्थानिय गिद्ध एवं प्रवासी गिद्धों की संख्या काप्रथक प्रथक आकलन किया जा सके । गणना कीसंभावित तिथियाँ फरवरी एवं मई-जून माह मे होनेकी संभावना है।

कलेक्टर ने किया पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य का निरीक्षण

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश की दिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम एवं अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान उपस्थित थे । कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान कहा कि नक्शे अनुरूप निर्माण कार्य करें। निर्माण के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीकी के बारे में विस्तार से जानकारी ली तथा निर्माण कार्य को लेकर क्या-क्या तकनीकी यूज की जानी चाहिए, किस तरह से निर्मित होगा आदि के बारे में पूरी जानकारी ली।

कलेक्टर ने सिंदपन में विकसित भारत संकल्प यात्रा का निरीक्षण किया

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव एवं सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत सिंदपन में आयोजित विकास यात्रा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर उपस्थित सभी अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान किए। दिशा निर्देश प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी अपने-अपने विभाग के स्टॉल विकास यात्रा के दौरान लगवाए तथा स्टॉल पर ही लोगों की समस्याओं को सुने तथा उनका त्वरित निराकरण करें। इस दौरान कितने लोगों के द्वारा आवेदन दिए गए। कितनों का समाधान किया गया। सभी की एक सूची बनाएं। जिन विभागों के द्वारा स्टॉल नहीं लगाए जाएंगे, लोगों की समस्या का समाधान नहीं किया जाएगा। ऐसे अधिकारियों की वेतन काटने की कार्यवाही की जाएगी। ड्रोन के माध्यम से किस तरह से दवाई की छिड़काव किया जाएगा, इसका भी कलेक्टर ने निरीक्षण किया।

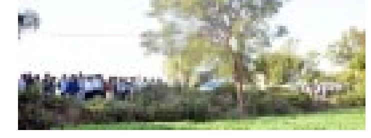

बिल्लोद में विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ आयोजन

मगराना, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत बिल्लोद मे भाजपा की विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया जिसमे भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया द्वारा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजना जैसे उज्ज्वला गैस योजना, आयुष्मान कार्ड, पीएम सम्माननिधि, सीएम सम्माननिधि,लाडली बहना योजना जिसमे 1250 रूपये प्रति महिला को मिल रहा है व लाडली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री मजदूर योजना, कन्या विवाह योजना जिसमे 51000 हजार रूपये मिलते है,पेंशन योजना बताई गई। मल्हारगढ़ एसडीएम विवेक सोनाकर व तहसीलदार ब्रजेश मालवीय द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजना को ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया। विकसित संकल्प भारत यात्रा बिल्लोद शिविर मे केम्प लगाया गया है। जिसमे विद्युत समन्धित आवेदन, लाडली बहन योजना समधित आवेदन,आयुषमान कार्ड समन्धित आवेदन, पंचायत के सभी कार्य समन्धित, राजस्व विभाग समन्धित सभी कार्य के लिये अलग अलग टेबल लगी हुई है जिसमे सभी तरह के शिकायत के आवेदन लिये जा रहे है। जो कोई व्यक्ति अगर सरकारी योजना से वंचित रह गये है तो आवेदन दे सकते है जिसका निराकरण किया जाएगा। इस मोके पर भाजपा बूढा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा, जनपद उपाध्यक्ष फ़क़ीरचंद धनगर अरनिया जटिया,जनपद प्रतिनिधि विकास जैन बिल्लोद,बिल्लोद सरपंच प्रतिनिधि केसरीमल पाटीदार, उप सरपंच महेश नाथ बिल्लोद, शिव गुप्ता, सचिव गुलाम कादिर, सहाय सचिव विनोद पाटीदार, शम्भू सेन बिल्लोद स्वास्थ्य विभाग सीएचओ मगराना बिल्लोद,मल्हारगढ़ एसडीएम विवेक सोनकर, तहसीलदार ब्रजेश मालविय संजीत डीसी सुपर वाइजर संजीव बेल वंशी पदाधिकारी व शासन तरफ से सभी आला अधिकारी उपस्थित रहें।

व्यंग्य- अंठाना नी रे..!

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कभी-कभी देश और दुनिया में अंठाने का एक समय चलता है जिसमें सब और ऐसा लगता है की हर कोई एक दूसरे से अंठा रहा है। यह अंठाना दो तरह का होता है एक भौतिक अर्थात शारीरिक पीड़ा जन्य दूसरा मानसिक पीड़ा जन्य। वर्तमान में चुनाव के बाद अच्छे अच्छे जिगरी दोस्तों में भी मानसिक अंठावन पैदा हो गई है। दूसरे को देख कभी बाजार में मुंह फुलाए ऐसे निकलते जैसे जानी दुश्मन हों इतना ही नहीं इंसानियत के नाते दूसरे के साथ कोई उठता - बैठता है तो उससे भी अंठावन, रामाशामा नहीं। अपनों से अपनों के बीच नफरत कमाल है भाई। अब आप ही देखो , मैं एक बार मोहन के साथ सड़क पर जा रहा था सामने से उसका घनिष्ठमित्र अमर निकला उसने मोहन की ओर देखते हुए भी अनदेखा कर निकल गया तो मैंने कहा , ' क्या बात है , आज तुम्हारे पक्के दोस्त ने बोलना तो ठीक नमस्ते तक नहीं की ? '

' अरे आजकल वो चुनाव के चक्कर के कारण अंठाने लगा है। ' ' इसमें अंठाने की क्या बात है , सबके अपने-अपने विचार , अपनी अपनी अभिव्यक्ति, इसमें दोस्ताना ताल्लुक खराब कर तीजे तपले मुंह चढ़ाए रखना कहां की समझदारी। ' मोहन बोला , ' बात तो सही है ,जीतने वालों की तरफ से भी उनके अनुचर अंठाते हैं तो हारने वालों की तरफ से भी अब ऐसे लोगों को समझाएं तो भी कैसे समझाएं ? ' बात आई गई हो गई। इस प्रकार की अंठावन मानसिक पीड़ा जन्य अंठावन के अंतर्गत आती है जो पांच प्रकारों में से किसी एक में समाहित होती है यथा राजनीति अंठावन , सामाजिक अंठावन, परिवारगत अंठावन, व्यवहारगत अंठावन, व्यवसायगत अंठावन। इस प्रकार की अंठावन किन्हीं विशेष परिस्थितियों में या असफलता मिलने पर या किसी से निराशा मिलने पर या सहयोग न मिलने पर मानसिक चोट लगती है तो मन में अंठावन पैदा हो जाती है। मानसिक रूप से सामान्य दिनों की अपेक्षा , चुनाव के पहले और बाद में अंठाने वालों की संख्या अधिक बढ़ जाती है। यह अंठावन राजनीतिक कार्यक्रमों के मंचों , विवाह समारोह -सामाजिक कार्यक्रमों आदि के आमंत्रण -निमंत्रण पत्र व उनके बुलावे में स्पष्ट रूप से झलकती है। अंठावन , चेहरों व उनके आंगिक हाव-भाव से पहचानी जाती है भले ही चाहें साथ बैठे हों , दिखावे रूप में गले मिल रहे हों किंतु एक दूसरे को व दर्शकों -व्यवहारियों को अनुभव हो ही जाती है। कोई किसी से कहता नहीं राजनीति में ऊपर से लेकर नीचे तक और अपने आप से व्यावहारिक संबंधों में सामाजिक स्तर मित्रता स्तर , समूह स्तर व अपने दल स्तर पर दिखाई दे रही है। अंठावन का अनुभव करने वाले व उससे तिरस्कृत -उपेक्षित होने वालों की संख्या हमारे देश में चुनाव के बाद अधिक बढ़ जाती है। इसमें कुछ की अंठावन परिस्थिति जन्य स्वयं को मानसिक रूप से चोंट लगने पर उपजती है। कभी कभी किसी को कुछ कहने पर मिर्ची लगने पर भी अंठावन आ जाती है। मालवी में एक कहावत है ' तीजे तपले ' अर्थात मानसिक चोट लगी किसी और को और दूसरों से अंठावन रखने लगा है कोई तीसरा व्यक्ति , अर्थात मानसिक चोट लगी मुख्य नेता को और अंठाने लगे नीचे शहर ग्राम स्तर के नेता जिनकी वर्षों से आपस में एक दूसरे से मित्रता थी साथ उठते बैठते थे सामाजिक सहयोग में साथ आते जाते थे अपने अपने दल के नेताओं के कारण आपस में अंठावन पैदा होकर छत्तीस का आंकड़ा पाल बैठे। एक दूसरे से बात नहीं करते इनका गया कुछ नहीं केवल यही बात की उनकी बात नहीं बनी किन्हीं के चेहरों पर उच्च स्तर से अचानक अंठावन झलकने लगती है छुपाये न छुपे कितना ही का प्रयास करें पर समाज या मंच तो दर्पण है कैमरा भी दर्पण है वह बता ही देता है।पहले सब कुछ था और अब अधिक इच्छित नहीं मिल रहा है तो अंठावन से फायदा क्या ? पहले जितना लाभ मिल गया है उससे अस्तित्व बना हुआ है तो फिर अंठावन क्यों ? अंठावन छोड़ दें सबके साथ पुन: सौहार्द हो जाएं तै आगे का मार्ग भी खुले नहीं तो अंठावन बढ़ती जाएगी और मानसिक अंदरूनी चोट को फैलती जाएगी चिकित्सा करने कौन आएगा ?

भगवती प्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	188	2100	2230
उडद	10	4981	8981
सोयाबीन	3500	4501	4966
गैहु	1661	2480	3171
चना	43	4900	5360
मसुर	38	5690	5900
धनिया	150	5500	7200
लहसुन	8500	7001	22501
मैथी	301	4900	6017
अलसी	1027	4700	5148
सरसो	326	4721	5138
तारामीरा	1	4771	4771
इसबगोल	7	11701	17800
प्याज	10000	600	2100
कलोंजी	41	10500	17500
डॉलर	13	8401	13912
तिल्ली	6	14150	15762
मटरसुखी	1	2550	2550
असालीया	5	9600	10081

अधीर रंजन समेत 34 सांसद पूरे सत्र के लिए सस्पेंड

अब तक लोकसभा के 47 सांसदों पर एक्शन

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। संसद के शीतकालीन सत्र का सोमवार को 11वां दिन था। संसद में सुरक्षा चूक के मसले पर लोकसभा में लगातार चौथे दिन हंगामा हुआ। हंगामा करने वाले 34 सांसदों को स्पीकर ओम बिड़ला ने सस्पेंड कर दिया। इसमें नेता विपक्ष अधीर रंजन चौधरी भी शामिल हैं। इससे पहले 14 दिसंबर को लोकसभा से 13 सांसद निलंबित किए गए थे। अब तक कुल 47 लोकसभा सांसद पूरे शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित हो चुके हैं। इसके अलावा राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन को भी 14 दिसंबर को सस्पेंड किया जा चुका है।

सदन में आज लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने कार्यवाही शुरू होते ही 15 मिनट की स्पीच दी। कहा कि घटना पर राजनीति होना दुर्भाग्यपूर्ण है। हंगामा बढ़ा तो सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित हो गई। बाद में यह 2 बजे और फिर कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। सांसदों के निलंबन के बाद सदन तक के लिए स्थगित हो गई।

राज्यसभा भी 4 बजे तक स्थगित...

12 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई. आसंदी पर राजेंद्र अग्रवाल थे। इसी बीच कम्युनिकेशन मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने कम्युनिकेशंस बिल 2023 पेश किया। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने फिर नारेबाजी की और तख्तियां लहराईं। अग्रवाल ने विपक्षी सांसदों से बैठने को कहा। वे नहीं माने तो सदन की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। बाद में शाम चार बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं, राज्यसभा में भी लोकसभा में घुसपैठ मुद्दे पर हंगामा हुआ। सदन की कार्यवाही पहले 11.30 बजे तक स्थगित की गई। इसके बाद जब कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की और गृह मंत्री अमित शाह से बयान देने की मांग की।

खड़गे ने लिखी चिट्ठी...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन का सस्पेंशन हटा लेना चाहिए। ऐसा करना संसदीय परंपरा का उल्लंघन है। डेरेक समेत 14 सांसदों (13 लोकसभा और एक राज्यसभा) को 14 दिसंबर को पूरे सत्र से निलंबित कर दिया गया था।

सदन में नारेबाजी, तख्तियां लाना सही नहीं...

स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि संसद की सुरक्षा चूक मामले में उच्चस्तरीय जांच जारी है। मामले में जांच कमेटी गठित की गई है। पहले भी जब इस तरह की घटनाएं हुई तो पूर्व स्पीकरों के जरिए ही जांच प्रक्रिया आगे बढ़ी। ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस घटना को लेकर राजनीति हो रही है। सदन में लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत ही चर्चा होनी चाहिए। सदन में नारेबाजी करना, तख्तियां लाना, विरोध करते हुए वेल में आना, आसंदी के पास आना ठीक नहीं है। देश के लोग भी इस आचरण को पसंद नहीं करते। लोकसभा से जिन सांसदों को सस्पेंड किया गया है, उनका सुरक्षा में चूक मामले से संबंध नहीं है।

पिछली कार्यवाही (15 दिसंबर) में संसद में सुरक्षा मुद्दे पर बहस हुई थी और हंगामे के चलते दोनों सदनों को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया था। विपक्षी सांसद इस मुद्दे पर गृह मंत्री का जवाब चाहते हैं। कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी पर डिबेट से दूर भागने का आरोप लगाया है। वहीं, रविवार 17 दिसंबर को पब्लिश एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने संसद की घुसपैठ को चिंताजनक बताया था। मोदी ने कहा था कि इस मुद्दे पर डिबेट नहीं जांच होनी चाहिए। इसे लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- सभी विपक्षी सांसद गृह मंत्री से पूछना चाहते है कि 13 दिसंबर को क्या हुआ था और कैसे हुआ था। पीएम मोदी इस डिबेट से दूर भाग रहे हैं। मैसूर से भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा की भूमिका पर पर सवाल उठते रहेंगे, जिन्होंने घुसपैठियों को संसद में प्रवेश करने में मदद की।

टीम ने पेश की ज्ञानवापी की सर्वे रिपोर्ट कोर्ट 21 दिसंबर को देगा फैसला

वाराणसी, 18 दिसंबर। ज्ञानवापी मामले में वाराणसी कोर्ट में एएसआई ने 18 दिसंबर को सर्वे रिपोर्ट पेश कर दी है। इस रिपोर्ट में 1500 से ज्यादा पेज हैं। एएसआई ने 250 से ज्यादा सबूत कोर्ट में पेश किए हैं। सीलबंद लिफाफे में एडिशनल डायरेक्टर ने यह रिपोर्ट पेश की है।

ज्ञानवापी परिसर में सर्वे करने के लिए कई पुरातत्वविद, रसायनशास्त्री, भाषा विशेषज्ञ, फोटोग्राफर गए थे। इन सबने मिलकर परिसर की दीवारों, मिनारों, तहखानों आदि की जीपीएस, जीपीआर सहित सभी आधुनिक मशीनों के जरिए जांच की और साक्ष्यों को जुटाने का प्रयास किया। चार अगस्त से दो नंवबर तक यह सर्वे चला था। इस दौरान इसका नेतृत्व अपर महानिदेशक आलोक त्रिपाठी कर रहे थे।

ज्ञानवापी मामले में वाराणसी कोर्ट में एएसआई ने 18 दिसंबर को सर्वे रिपोर्ट पेश कर दी है। इस रिपोर्ट में 1500 से ज्यादा पेज हैं। एएसआई ने 250 से ज्यादा सबूत कोर्ट में पेश किए

मंदिर पक्ष ने 16 मई को पूरे ज्ञानवापी परिसर की शिवलिंग मिला उस स्थान को छोड़कर वैधानिक विधि से जांच की। याचिका जिला जज की अदालत में दी थी। जिला जज ने 21 जुलाई को आदेश दिया कि ज्ञानवापी परिसर का सर्वे होगा, लेकिन वजूखाना वाले स्थान को छोड़ा जाएगा। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद (मस्जिद पक्ष) जिला जज के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चला गया था।

मस्जिद पक्ष की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको हाईकोर्ट जाना चाहिए। तब तक के लिए 26 जुलाई तक सर्वे पर रोक रहेगी। हाईकोर्ट ने 26 जुलाई को मामले की सुनवाई के लिए सर्वे पर 3 अगस्त तक रोक लगाकर मस्जिद पक्ष को राहत दे दी। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए 3 अगस्त को ज्ञानवापी में सर्वे की अनुमति दे दी। सर्वे टीम ने 4 अगस्त से सर्वे शुरू कर दिया था।

पशुपतिनाथ महादेव मेला में नपा परिषद के द्वारा अभा कवि सम्मेलन का आयोजन...

कवियों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति से समा बांधा

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 61वें भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला में रविवार की रात्रि को अ.भा. कवि सम्मेलन का आयोजन नपा परिषद मंदसौर के द्वारा किया गया। भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर के समीप परिसर में आयोजित इस कवि सम्मेलन में देश व प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कवियों ने सहभागिता की ओर अपनी-अपनी श्रेष्ठ रचनाओं की प्रस्तुति दी। रात्रि 9.30 बजे अतिथियों के स्वागत के उपरांत प्रारंभ हुआ यह कवि सम्मेलन देर रात्रि तक चला। इस अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में नपा परिषद मंदसऐार के आमंत्रण पर पधारे कवियो ने अपनी प्रस्तुति से ऐसा समा बांधा की श्रोता हंसी के ठहाके लगाने पर मजबूर हो गये। इस कवि सम्मेलन में सोनी टीवी फेम हिमांशु बवण्डर (मुम्बई), हास्य कवि अतुल ज्वाला (इंदौर), लपेटे में नेताजी फेम गौरव चौहान (इटावा), सुश्री गोरी मिश्रा (नैनीताल उत्तराखण्ड), सुमित मिश्रा (ओरक्षा), लाफ्टर कलाकार व हास्य कवि सुनील व्यास (मुम्बई), हास्य व्यंगकार गोविन्द राठी (भोपाल), कवि सम्मेलन सूत्रधार मुन्ना बेटरी (मंदसौर) ने अपनी श्रेष्ठ रचनाओं की प्रस्तुति दी।

कवित्री गौरी मिश्रा ने कवि सम्मेलन में शिव स्त्रोत को अपने अंदाज में सुनाकर श्रोताओं की खूब तालियां भी बटोरी। उन्होंने माँ शारदे की वंदना करते हुए ये पंक्तिया पडी शब्द को संवाद दे, अर्थ को निखार दे। उन्होंने बेटियों के महत्व पर ये पंक्तियां पड़ी हर पिता के भाग्य में बेटी नहीं होती..... । मंदसौर के कवि मुन्ना बेटरी ने रावण को अपना फोफाजी बताते हुए कहा कि रावण की पत्नी हमारे मंदसौर की थी इसलिये वे मेरे फोफाजी है। उन्होंने नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर व पुरी नपा परिषद को कवि सम्मेलन की जिम्मेदारी सौंपने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने मालवा के लोगों पर व्यंग्य किया कि यहां के लोग इतने भोले है कि वे तरबूज लाल और मिठा निकलने पर खुश हो जाते है। पेट्रोल पम्प पर फटा नोट चल जाये तो खुश हो जाते है। कवि सम्मेलन के प्रारंभ में पधारे अतिथिगण पर्यटन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष तपन भौमिक, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, हुडको डायरेक्टर बंशीलाल गुर्जर, भजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, जिला पंचायत सदस्य विजय मेहता, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजेश पालीवाल, भाजपा नेता मुकेश काला, ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया। अतिथियों का स्वागत नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, सीएमओ सुधीरकुमार सिंह, सभापति निलेश जैन, रमेश ग्वाला, पार्षदगण गोरर्धन कुमावत, भारती पाटीदार, सुनीता भावसार, भावना पमनानी, शैलेन्द्र गोस्वामी, राकेश भावसार, कमलेश सिसौदिया, रेखा सोनी ऐरावाला, धीरज पाटीदार, अमन फरक्या, बंशी राठौर, पी.एस. धारवे आदि ने किया।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का 250 से अधिक ने लिया लाभ

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। रोटरी क्लब मंदसौर द्वारा सोमवार को माहेश्वरी धर्मशाला में आयोजित हो रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान परम पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी ईश्वरानंदजी (उत्तम स्वामी) महाराज सा. के आशीर्वाद से श्री हरिश गर्ग, महेश गर्ग, रमेशगर्ग व गर्ग (केडिया) परिवार द्वारा अपनी मातुश्री श्रीमती ललिताबाई सत्यनारायण गर्ग की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर अजय हॉस्पिटल के सहयोग से नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसका 250 से अधिक रोगियों ने लाभ लिया। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर जांच व ईसीजी नि:शुल्क की गई।

शिविर का शुभारंभ परम पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी ईश्वरानंदजी (उत्तम स्वामी) महाराज सा. ने किया। आपने रोटरी द्वारा मानव हित में लगाये जा रहे शिविर की सराहना की। शिविर में सर्जन एवं पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय व्यास, दंत रोग चिकित्सक डॉ. वीणा व्यास, एम.डी. मेडिसीन डॉ. विशाल गौड़, एम.डी. मेडिसिन डॉ. मनीष आसवानी, एम.डी. फिजिशियन डॉ. राहुल सेंगर ने सेवाएं दी। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष पवन पोरवाल, सचिव अनिल चौधरी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. अजय व्यास, रमेश गर्ग (रम्मु भाई), प्रोजेक्ट चेयरमेन दिनेश जैन सीए, युवा भाजपा नेता डॉ. भानुप्रताप सिसौदिया, वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी, नरेन्द्र अग्रवाल, संजय लोढ़ा, समाजसेवी प्रहलाद काबरा, प्रवीण उकावत, हरिश गर्ग, रमेश गर्ग, दिनेश रांका, संजय गोठी, श्रवण अग्रवाल, भूपेन्द्र सोनी, अजय नागोरी, राजेश संचेती, हनुमंत राणावत, मनीष गर्ग, पीयुष गर्ग, राकेश सुराणा, महेश काबरा, श्रवण अग्रवाल, श्रीमती रितु गर्ग आदि उपस्थित थे।

बालिका का अपहरण कर बलात्कार करने वाले को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

नीमच, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्रीमान सुशांत हुद्दार, सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश महोदय, (पॉक्सों एक्ट), जिला नीमच द्वारा 15 वर्षीय नाबालिक पीडिता का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार करने वाले आरोपी राजू पिता मोहन भील, उम्र-20 वर्ष, निवासी-ग्राम पाणदा, थाना पाटन, जिला बांसवाड़ा (राजस्थान) को धारा 363 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500रू अर्थदण्ड, धारा 366 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000रू अर्थदण्ड, धारा 376(3) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2000रू अर्थदण्ड एवं धारा 5(एल)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अंतर्गत 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2000रू अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक श्री जगदीश चौहान द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 28.04.2021 को पुलिस थाना नीमच सिटी क्षेत्र में रहने वाली पीडिता की माता ने थाने पर उपस्थित होकर रिपोर्ट लिखाई की दिनांक 21.04.2021 को उसकी 15 वर्षीय पुत्री पीडिता रात्रि के लगभग 8:30 बजे घर से यह कहकर निकली की वह जरूरी काम से जा रही हैं, किंतू वह रात्रि के 10 बजे तक भी वह वापिस नहीं आई तो वह फिर उसके परिवार के सदस्यों ने उसको घर के आस-पास व रिश्तेदारों में तलाश की किंतु उसका कुछ पता नहीं चला फिर शंका के आधार पर आरोपी के विरूद्ध रिपोर्ट लेख कराई, जिस पर से अपराध क्रमांक 215/2021 की प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई। दिनांक 05.05.2021 को पीडिता पुलिस थाना नीमच सिटी में उपस्थित हुई जहां पर उसने बताया की आरोपी ने उसके साथ शादी करने का झांसा देकर बहला-फुसलाकर अपहरण करके ग्राम डोरीया, निम्बाहेड़ा (राजस्थान) ले गया था। जहां आरोपी ने उसे खुले मैदान में रखा तथा उसके साथ कई बार बलात्कार किया। इसके पश्चात् किसी का फोन आ जाने से आरोपी उसे लेकर नीमच आया था, जिसके बाद वह पुलिस थाना नीमच सिटी में उपस्थित हो गई थी। विवेचना के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर एवं पीडिता का मेडिकल कराकर उम्र के संबंध में आवश्यक साक्ष्य एकत्रिक करते हुए आवश्यक अनुसंधान पूर्ण कर अभियोग पत्र विशेष न्यायालय (पॉक्सों एक्ट), नीमच में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन द्वारा माननीय विशेष न्यायालय (पॉक्सों एक्ट) नीमच के समक्ष विचारण के दौरान पीड़िता सहित सभी महत्वपूर्ण साक्षीगण के बयान कराकर आरोपी के विरूद्ध अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराकर घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिससे सहमत होकर माननीय विशेष न्यायालय (पॉक्सों एक्ट) नीमच द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक श्री जगदीश चौहान द्वारा की गई।

मप्र में 16 वीं विधानसभा का पहला सत्र शुरू

तोमर ने विधानसभा अध्यक्ष के लिए दाखिल किया नामाकंन, विधायकों को दिलाई शपथ

भोपाल, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश में 16वीं विधानसभा का विशेष सत्र आज से शुरु हो गया। चार दिन तक चलने वाले इस नव-निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई गई है। वहीं नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। नरेन्द्र सिंह तोमर निर्विरोध चुने जाएगें क्योकि उन्हे विपक्ष का भी साथ मिला है। विधानसभा अध्यक्ष का चयन 20 दिसंबर को होगा। प्रोटेम स्पीकर उन्हें शपथ दिलाएंगे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि विपक्ष के साथ मिलकर सकारात्मक प्रदेश के लिए बेहतर काम करेंगे। महाकाल लोक, ओरछा सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर अनुष्ठान करेंगे। विधायक-मंत्रियों के लिए प्रशासनिक दक्षता की ट्रेनिंग कराई जाएगी। उन्होने आगे कहा कि आज 16वीं विधानसभा के सत्र का पहला दिन है। मुझे इस बात की खुशी है कि आज सत्ता पक्ष-विपक्ष ने मिलकर नए विधानसभा अध्यक्ष का नामांकन दाखिल किया है। मैं विधायक दल के नेता के नाते विपक्ष की सकारात्मक सोच का स्वागत करता हूं। विपक्ष इसी तरह अपना रचनात्मक सहयोग दे। हम प्रदेश को विकास की नई उंचाइयों तक लेकर जाएंगे। सीएम श्री यादव ने कहा कि महाकाल लोक, ओरछा सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर अनुष्ठान शुरू होंगे। विधायक और मंत्रियों की प्रशासनिक दक्षता की ट्रेनिंग कराई जाएगी। मंत्रिमंडल गठन पर उन्होंने कहाए श्कल दिल्ली में बैठक हुई है। जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। विधानसभा में आज सबसे पहले सीएम मोहन यादव इसके बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शपथ ली। पांचवे नम्बर पर शिवराजसिंह चौहान ने ली शपथ ली। वहीं मुरैना के सबलगढ से भाजपा विधायक सरला रावत शपथ लेने में कई बार अटकी तो सुरक्षा कर्मी ने उनकी मदद की। सीधी से पहली बार विधायक चुनी गई रीति पाठक ने संस्कृत में शपथ ली। पाठक दो बार सांसद रह चुकी हैं। दमोह जिले के जबेरा से भाजपा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी व मऊगंज से दूसरी बार भाजपा के विधायक प्रदीप पटेल ने भी संस्कृत में शपथ ली। वहीं उमंग सिंघार ने नेता प्रतिपक्ष के कक्ष में पहुंचकर महाकाल की पूजा की। इसके बाद पूर्व नेता प्रतिपक्ष व अपनी बुआ स्वर्गीय जमुना देवी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया।

प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज डोर बेचने वालों पर कड़ी कार्यवाही हो

स्वदेशी जागरण मंच की बैठक सम्पन्न, संगठन का हुआ विस्तार

मंदसौर, 18 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। स्वदेशी जागरण मंच की जिला बैठक तीन छतरी बालाजी पर आयोजित की गई। बैठक में मंच के विभाग संयोजक बाबूलाल नागदा, जिला संयोजक अंकुश पालीवाल, जिला संगठन मंत्री दिलीप व्यास विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक में कहा कि आगामी संक्रांति पर्व को देखते हुए चाइनीज डोर पर प्रतिबंध तो लगाया गया है बावजूद इसके कई दुकानदार चोरी छूपे चाइनीज डोर बेच रहे है जिस पूर्णतया प्रतिबंध लगे। तथा होली पर्व पर होली पर बिकने वाले केमिकल कलर रंगों पर प्रतिबंध लगाया जाये। इनको लेकर स्वदेशी जागरण मंच की ओर से प्रभावी कदम उठाये जाएंगे।

कार्यकारिणी का हुआ विस्तार- बैठक में संगठन का विस्तार किया गया जिसमें जिला विद्यालय प्रमुख रजत जैन, तहसील सहसंयोजक गोविंद सिंह सिसोदिया, तहसील संपर्क प्रमुख नारायण व्यास, मंदसौर नगर संयोजक कमलेश नागदा, नगर सहसंयोजक अभिजीत मंडलोई, नागेश्वर सहसंयोजक सतीश बैरागी व नगर प्रचार प्रमुख नितेश माली बनाये गये। बैठक में जिला सहसंयोजक मयंक सिंह राजावत, तहसील संयोजक दिलीप चौधरी, तहसील सहसंयोजक किशन पांडे भी उपस्थित थे।

✻संयुक्त उठावना✻

सूचित किया जाता हे कि स्व. श्री बाबूलालजी तोषनीवाल की धर्मपत्नी व हर्ष, गोपाल की पूज्य माताजी, यथार्थ, रिदिमा की दादीजी एवं रामविलासजी सेमानी की बहन व कमलकिशोर विजयकुमार की बुआजी एवं स्व. ओमप्रकाशजी कलंत्री की बहन एवं श्रीकांतजी नारायण, महेश, पवन की बुआजी श्रीमती चंद्रकलादेवी तोषनीवाल (निर्मला) का स्वर्गवास दिनांक 17 दिसम्बर को हो गया है। जिनका संयुक्त उठावना दिनांक 19 दिसम्बर, मंगलवार को समय दोपहर 2 बजे, स्थान-संजय गांधी उद्यान मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
तोषनीवाल परिवार, सोमानी परिवार, मंदसौर
कलंत्री परिवार नागपुर

✻ उठावना ✻

मेरे साले जी , गौरव व मनीष के मामाजी मंदसौर निवासी आदरणीय श्री कुंदन कुमार जी विजयवर्गीय (गोधरा वाले) का स्वर्गवास कल दिनांक 17.12.2023 को हो गया है ! जिनका उठावना दिनांक 19.12.2023 मंगलवार को दोपहर 01:00 बजे मेरे निवास स्थान ए-5, पद्मावती नगर, जैन मंदिर के पास रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
मांगीलाल विजयवर्गीय
(सेवानिवृत्त, आयकर विभाग)
ए-5 पद्मावती नगर मंदसौर
मो.94253-69731

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक मंदसौर, दिनांक / /2020

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 एनई 8273 जो कि परिवहन कार्यालय मंदसौर में कमलसिंह खींची पिता श्री तुलसीरामजी निवासी भाट रेवास जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती सुनीताबाई पति कमलसिंह खींची निवासी भाटरेवास, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक/ मंदसौर दिनांक

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी श्री नरेशकुमार जैन पिता हीरालाल जैन निवासी ग्राम दलौदा, जिला-मंदसौर की मृत्यु दिनांक 25.05.2021 को हो गई है। इनके वाहन रजिस्ट्रेशन क्रमांक एमपी 14 एलसी 1564 को इनकी पत्नी श्रीमती ज्योति जैन ने अपने नाम पर अंतर्गण दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये है।

इस प्रकाशन अवधि के सात दिवस में यदि किसी को आपत्ति हो तो इसे कार्यालय में प्रस्तुत करें। इसके पश्चात वाहन श्रीमती ज्योति जैन के नाम से अंतरण कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

AVIJIT SINGH CHOUHAN (Advocate)

OFFICE-B-305, 1-FLOOR, SHREE GOVERDHAN NATH COMPLEXNAYI ABADI MANDSAUR(M.P)
Email-advocate.avijitsingh gmail com
Contact-9424812339

मेरे पक्षकार से प्राप्त जानकारी अनुसार जाहिर सुचना प्रकाशित की जा रही है कि कमली बाई पति स्व. अमरूलाल जी तथा बसंती बाई, लीला बाई दोनों पिता अमरूलाल जी सभी निवासी ग्राम बुगलिया तहसील व जिला मंदसौर के अधिपत्य की कृषि भुमि सर्वे नं. 806/1 कुल रकबा 0.58 हेक्टर शासकीय गाईडलाईन अनुसार प.ह.न. 13 ग्राम बुगलिया तहसील व जिला मंदसौर (म.प्र) में स्थित है का विक्रय अनुबंध मेरे पक्षकार से तय हुआ है जिसका विक्रय पत्र का पंजीयन विक्रेता द्वारा मेरे पक्षकार के हक में शीघ्र ही निष्पादित कर दिया जावेगा।

अत: इस उल्लेखित संपत्ति संबंध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक इत्यादि से उक्त संपत्ति बंधक हो, लिखित या मौखिक विक्रय करार इत्यादि हो या अन्य कोई आपत्ति हो या अन्य कोई न्यायालयीन वाद लंबित हो या अन्य कोई वारिस हो तो आवश्यक दस्तावेज सहित मेरे कार्यालय पर सात दिन में संपर्क करे अन्यथा मेरे पक्षकार द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र का पंजीयन स्वयं के हक में या मेरे पक्षकार द्वारा मनोनीत व्यक्ति के हक में करवा लिया जायेगा नियत समयावधि बीत जाने के पश्चात किसी व्यक्ति संस्था इत्यादि की आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी। सो सुचित हो।

प्रस्तुतकर्ता
अविजितसिंह चौहान

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in